

न्यूज़ IN ब्रीफ

इंद्रिया ने पेश किया पश्चिमा उत्सवी आभूषण संग्रह, भारतीय शिल्प की नई झलक

रांची: आदित्य बिड़ला ज्वैलरी के ब्रांड इंद्रिया ने 22 कैरेट सोने में अपना नया उत्सवी आभूषण संग्रह ह्यपश्चिकाह्न पेश किया है। देवी लक्ष्मी से प्रेरित इस संग्रह में समृद्धि, आशीर्वाद और शुभ शुरूआत के प्रतीकों को आधुनिक डिजाइनों के साथ जोड़ा गया है। इंद्रिया के सीईओ संदीप कोहली ने कहा कि ह्यपश्चिकाह्न के जरिए उत्सव, शुभता और समृद्धि की भावनाओं को आभूषणों में उतारने के साथ गुलाबी मीनाकारी जैसी भारतीय शिल्प कला को आधुनिक रूप में पेश करने की कोशिश की गई है। वहीं, डिजाइन प्रमुख अभिषेक रस्तोगी ने कहा कि समुद्र मंथन के दौरान कमल पर विराजमान लक्ष्मी के प्रकट होने की कथा ने संग्रह के डिजाइन को दिशा दी। संग्रह में कमल, लक्ष्मी, गज, शंख और कलश जैसे पारंपरिक प्रतीकों को आधुनिक रूप दिया गया है। इसमें बनारसी मीनाकारी, नक्काशी और कुंदन जड़ाई जैसी भारतीय शिल्प तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जिला अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम



कोडरमा : विश्व मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह के अवसर पर जिला अस्पताल के प्रतीक्षालय में मरीजों एवं उनके परिजनों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कुछ निवारण पदाधिकारी सह एनसीडी सेल के नोडल पदाधिकारी डॉ. रमण कुमार ने की। डॉ. रमण कुमार ने कहा कि मानसिक बीमारी कमजोरी नहीं, बल्कि एक स्वास्थ्य समस्या है। समय पर पहचान, उचित परामर्श और उपचार से इससे प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। उन्होंने तनाव, चिंता, अवसाद, नशे की लत, नींद में बदलाव और व्यवहार में असामान्य परिवर्तन को नजरअंदाज नहीं करने की अपील की। मनोचिकित्सक डॉ. शिल्पी शर्मा ने मानसिक रोगों के लक्षण और उपचार की जानकारी देते हुए कहा कि लंबे समय तक उदासी, अत्यधिक चिंता, एकाग्रता में कमी, सामाजिक दूरी, चिड़चिड़ापन या ध्रम जैसे लक्षणों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने परिजनों से मानसिक रोगियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करने और सामाजिक भेदभाव से बचने की अपील की। कार्यक्रम में चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीसी-एसपी ने पूजा पंडालों का किया निरीक्षण



कोडरमा : दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशेष ने संयुक्त रूप से तिलैया शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। इस दौरान पूजा समितियों की तैयारियों, श्रद्धालुओं के आवागमन और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पंडालों एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ, सफाई, पर्याप्त रोशनी, सुरक्षा, पार्किंग, यातायात प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय से पहले पूरी करने का निर्देश दिया। डीसी ने कहा कि पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रवेश और निकास की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आवश्यकता वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग कर भीड़ के सुक्षित आवागमन की व्यवस्था की जाए। साथ ही पर्याप्त पार्किंग स्थल चिह्नित कर यातायात को सुचारू रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिला स्तरीय पदाधिकारी, पुलिस अधिकारी, पूजा समिति के सदस्य एवं संबंधित कर्मी मौजूद रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पूजा के दौरान सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

खान- खनिज अधिनियम व एसआईआर के खिलाफ झामुमो का जन जागरण, गांव- गांव तक पहुंचा अभियान



कोडरमा : खान- खनिज अधिनियम 2026 एवं एसआईआर के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला समिति ने जिले के विभिन्न प्रखंडों में व्यापक जन जागरण अभियान चलाया। सतगावा, जयनगर, मरकच्चो और डोमचांच में प्रखंड अध्यक्षों के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों और आम लोगों को दोनों मुद्दों के प्रभावों की जानकारी दी। झामुमो जिलाध्यक्ष बिरेंद्र पाण्डेय ने कहा कि खान- खनिज अधिनियम 2026 झारखंड के हितों के खिलाफ है। राज्य के जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा पर झारखंडवासियों का अधिकार और हित सर्वोपरि है। उन्होंने भाजपा नेताओं पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। वहीं झामुमो नेत्री शालिनी गुप्ता ने एसआईआर को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाता सूची से किसी पात्र नागरिक का नाम छूटना लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि झामुमो कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे। अभियान में सतगावा अध्यक्ष गणेश राय, जयनगर अध्यक्ष अशोक सिंह, डोमचांच अध्यक्ष विश्वनाथ राय, मरकच्चो अध्यक्ष दिवाकर तिवारी, अशोक कुमार, रामप्रसाद सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ओबीसी जनगणना की मांग पर झारखंड बंद

खूंदी में बाजार से सड़क तक असर, हाईवे पर जाम

तमाम चौक-चौराहों पर वाहनों को रोका, एक भी दुकान नहीं खुली, प्रशासन मुस्तैद

संवाददाता
खूंदी : पिछड़ा जाति संघर्ष समिति, झारखंड के आह्वान पर ओबीसी अधिकारों की मांग को लेकर मंगलवार को दूसरे दिन आंदोलन तेज हो गया। समिति की ओर से घोषित पूर्ण बंद और चक्का जाम का व्यापक असर देखने को मिला। सैकड़ों समर्थक हाथों में बैनर लेकर सड़क पर उतरे और शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर वाहनों की आवाजाही रोककर विरोध जताया। बंद के दौरान बाजार की तमाम



दुकानें बंद रहीं। प्रदर्शनकारियों ने जगह-जगह सड़क पर उतरकर वाहनों को रोक दिया, जिससे कई मार्गों पर आवागमन प्रभावित हुआ। आंदोलन के कारण शहर में बंद जैसी स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारी

ओबीसी वर्ग को राजनीतिक भागीदारी, पेसा कानून के तहत अधिकार और जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम सहित विभिन्न मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार

को पिछड़ा जाति संघर्ष समिति की ओर से मशाल जुलूस निकालकर आंदोलन की शुरुआत की गई थी। मशाल जुलूस के दौरान समिति ने अपनी मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ विरोध

दर्ज कराया था। इसके बाद मंगलवार को पूर्ण बंद और चक्का जाम का आह्वान किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ओबीसी वर्ग को उसके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है और राजनीतिक भागीदारी में भी उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। समिति ने पेसा कानून के तहत ओबीसी के अधिकार सुनिश्चित करने तथा जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम की व्यवस्था करने की मांग उठाई है। इधर, बंद और चक्का जाम को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। विभिन्न चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि किसी प्रकार की अग्रिय घटना न हो और आवश्यक सेवाएं प्रभावित नहीं हों। समिति की ओर से आंदोलन को आगे भी जारी रखने की घोषणा की गई है। बुधवार को सकेतिक धरना दिया जाएगा तथा उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर ओबीसी से जुड़ी मांगों को सरकार तक पहुंचाने की बात कही गई है।

हाईवा ने मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों को कुचला, एक की मौत, दो गंभीर

-हादसे के बाद ग्रामीणों में आक्रोश, सिमरिया-चतरा मुख्य मार्ग किया जाम

संवाददाता
चतरा : सदर प्रखंड क्षेत्र के चतरा सिमरिया मुख्य मार्ग पर हासबो गांव के समीप सोमवार की देर शाम कोयला परिवहन में लगे एक हाइवा की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई,जबकि दो लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान रंगवारा गांव के अरविंद सिंह (50 वर्ष) के रूप में हुई हैं। वहीं घायलों में हफुवा पंचायत के मुखिया पति राम रत्न सिंह और मुकेश सिंह शामिल हैं। हादसे में मोटरसाइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके पर स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने हादसे के विरोध में सिमरिया-चतरा मुख्य



सड़क को जाम कर दिया, जिससे मार्ग पर वाहनों का आवागमन बाधित हो गया। सड़क जाम की सूचना मिलने के बाद संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने कोयला परिवहन में लगे भारी वाहनों के परिचालन और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, ऐसे में वाहन चालकों द्वारा गति

और यातायात नियमों का पालन किया जाना जरूरी है। ग्रामीणों का आरोप है कि कोयला ढुलाई में लगे हाइवा की तेज रफ्तार और कथित लापरवाही के कारण क्षेत्र में आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण, नियमित जांच और सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने की मांग की है। फिलहाल घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। समाचार लिखे जाने तक मुवावजा को लेकर सड़क जाम जारी थी।

विश्व शिक्षक दिवस पर चतरा कॉलेज में कार्यक्रम शिक्षक ज्ञान ही नहीं संस्कार भी देते हैं : डॉ नन्द

संवाददाता
चतरा: विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर सोमवार को चतरा कॉलेज, चतरा के शिक्षा शास्त्र विभाग में समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा शास्त्र विभाग के सत्र 2025-27 एवं 2026-28 के प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गीत, नृत्य एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रशिक्षुओं ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और आत्मीय भावनाएं व्यक्त कीं। प्रशिक्षुओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने शिक्षकों एवं उपस्थित विद्यार्थियों का मन मोह लिया और पूरा परिसर तालियों से गुंज उठा। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन 2025-27 एवं 2026-28 सत्र के प्रशिक्षु अभिषेक कुमार एवं अदिति पाठक ने संयुक्त रूप से किया। समारोह के दौरान गुरु-शिष्य के बीच सम्मान, स्नेह और आत्मीयता का सुंदर वातावरण देखने को मिला। दोनों सत्रों के प्रशिक्षुओं की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को यादगार बना



दिया। मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. नन्द किशोर सिंह ने कहा कि शिक्षक की भूमिका केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने तक सीमित नहीं है। शिक्षक अपने आचरण, संस्कार और मार्गदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों के चरित्र का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु भविष्य के शिक्षक हैं,

इसलिए उन्हें निरंतर सीखने, अनुशासन और संवेदनशीलता को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि वे आने वाली पीढ़ी को बेहतर दिशा दे सकें। कार्यक्रम में शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष के अलावा प्रो. शोभा कुजूर, प्रो. अमित कुमार, प्रो. ग्लोरिया ग्रेस होरो, डॉ. मुमताज अंसारी एवं प्रो. प्रेम बंसत बाखला उपस्थित रही।

रांची जल जीवन मिशन में लापरवाही पर मंत्री का सख्त रुख

दोषी संवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश

संवाददाता
रांची/लातेहार: पेयजल एवं स्वच्छता, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में बेतला नेशनल पार्क सभागार में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत चल रही जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। इसमें लातेहार, गढ़वा, पलामू, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा जिलों में संचालित योजनाओं की जिलावार और योजनावार समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित जिलों के अधिकारियों ने योजनाओं की मौजूदा स्थिति, पूरी और अधूरी योजनाओं, निर्माण कार्य की प्रगति, पेयजलापूर्ति की स्थिति और योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़ी अन्य जानकारी मंत्री के सामने रखी। इस दौरान योजनाओं की प्रगति और सामने आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। गुणवत्ता से समझौता नहीं, समय पर पूरा हों काम: समीक्षा के दौरान मंत्री योगेंद्र



प्रसाद ने अधिकारियों को जलापूर्ति योजनाओं के निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जल

जीवन मिशन सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है। इसका उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार के घर तक नल के माध्यम से सुरक्षित और

गुणवत्तापूर्ण पेयजल पहुंचाना है। मंत्री ने कहा कि सभी योजनाओं को तय समय-सीमा के भीतर पूरा कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द पेयजल की

सुविधा मिल सके। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति पर लगातार नजर रखने को कहा। लापरवाही पर संवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश: बैठक में कई योजनाओं में संबंधित संवेदकों की ओर से काम में लापरवाही, अपेक्षित प्रगति नहीं होने और तय मानकों के अनुसार कार्य नहीं किए जाने की बात सामने आई। इस पर मंत्री ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गंभीर लापरवाही करने वाले संवेदकों को नियमानुसार ब्लैकलिस्ट किया जाए। जिन मामलों में अनियमितता या लापरवाही की जांच जरूरी है, वहां जांच कराई जाए। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित कार्यपालक अभियंता और संवेदक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया।

ग्रिजली विद्यालय में करियर काउंसलिंग

विद्यार्थियों को यूजी पाठ्यक्रमों और नए करियर विकल्पों की मिली जानकारी
कोडरमा: तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के विद्यार्थी सेवा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में कक्षा 12 वीं के विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए अपनी यूजी यात्रा को जाने पाठ्यक्रम, छात्रवृत्ति एवं प्रवेश विषय पर विशेष करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। अरका जैन विश्वविद्यालय, जमशेदपुर के करियर काउंसलर सुजीत कुमार एवं एडमिशन मैनेजर सुमित कुमार ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग, चिकित्सा, प्रबंधन और वाणिज्य के साथ एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड

कंप्यूटिंग, आईओटी एवं बिजनेस एनालिटिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों की जानकारी दी। इसके अलावा फामेसी, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग, ऑटोमेट्री, कानून, होटल प्रबंधन, पर्यटन, पत्रकारिता, मीडिया, एनीमेशन एवं डिजाइन जैसे विकल्पों पर भी चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कहा कि करियर का चयन रुचि, क्षमता, योग्यता और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर करना चाहिए। सत्र में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सवाल पूछे और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत सहायक व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षक सुमित के. सिन्हा के स्वागत भाषण से हुई। विद्यार्थी सेवा प्रकोष्ठ प्रभारी सुधांशु कुमार ने अतिथियों को स्मृति. चिह्न देकर सम्मानित किया।

रांची के सीसीटीवी दुरुस्त रखने पर हाईकोर्ट सख्त

गृह सचिव व डीजीपी 12 को ऑनलाइन तलब

संवाददाता

रांची : डोरंडा थाना की पुलिस द्वारा बच्चे को अवैध हिरासत में लिए जाने से संबंधित मामले में फिरोज अंसारी एवं अन्य की ओर से दायर हेबियस कॉर्पस की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट ने की। इस दौरान डोरंडा थाना प्रभारी कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। कोर्ट के आदेश के आलोक में वह घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने रांची शहर में सीसीटीवी के फंक्शनल रहने के संबंध में सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि रांची शहर के सड़कों और मुख्य चौक चौराहों पर सीसीटीवी फंक्शनल रहना जरूरी है। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई।

अदालत ने शहर के सीसीटीवी को फंक्शनल रखने के संदर्भ में 12 अक्टूबर को गृह सचिव और डीजीपी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हाजिर होने को कहा है। कोर्ट ने प्रार्थी को पुलिस द्वारा बच्चे को रिमांड पर भेजे जाने को याचिका दाखिल कर चुनौती देने की छूट दी है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि रांची एसएसपी को पूर्व में कोर्ट ने निर्देश दिया था कि वह यह देखें कि रांची शहर के थाने के सीसीटीवी दुरुस्त है या नहीं। लेकिन इस संदर्भ में अब तक कोई स्टेटस नहीं मिल



क्या है पूरा मामला?

झारखंड कर्मचारी वयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से 28 जनवरी को आयोजित प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्न-पत्र व उत्तर लीक होने के मामले में नमकुम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आयोग की ओर से मधुमिता कुमारी (पति- गौरांग महतो) के लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने भादवि की धारा 467, 468, 420, 120-बी, आईटी एक्ट की धारा 66 तथा झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण) अधिनियम 2023 की धारा 12 के तहत केस दर्ज किया था। मामले के अनुसंधान की जिम्मेदारी तत्कालीन ऊर्द्ध प्रभात रंजन बरवार को सौंपी गई है।

पाया है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सूरज किशोर प्रसाद और अधिवक्ता आयुषी अमन ने पक्ष रखा। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि याचिकाकर्ता के बेटे की उम्र 19 बताकर उसे जुडिशियल रिमांड में भेज दिया गया। जबकि बच्चे के परिजनों ने उसकी उम्र 18 वर्ष से कम होने को लेकर बर्थ सर्टिफिकेट भी डोरंडा थाना में प्रस्तुत किया था।

कोर्ट को बताया गया था कि पुलिस ने 4 सितंबर को बच्चे को

अवैध रूप से हिरासत में लिया था और उसे 8 सितंबर को रिमांड पर भेज दिया गया था। इस दौरान कोर्ट ने डोरंडा थाना प्रभारी से सीसीटीवी फुटेज प्रस्तुत करने को कहा था। जिस पर थाना प्रभारी की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि सीसीटीवी खराब है।

ई-मेल पर भेजे गए थे 150 में से अधिकांश प्रश्नों के उत्तर:

प्राथमिकी के अनुसार, 28 जनवरी को राज्यभर के 735 केंद्रों पर तीन पालियों में परीक्षा

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा 2024 पेपर लीक मामला

गवाह की अनुपस्थिति में टली सुनवाई, अगली सुनवाई 21 नवंबर को

रांची : जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा 2024 पेपर लीक मामले में एजेंसी योगेश कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। हालांकि, गवाह के उपस्थित नहीं होने के कारण सुनवाई टाल दी गई। ऐसे में अदालत ने अब इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 21 नवंबर की तिथि निर्धारित की है। मुख्य आरोपी अमन कुमार उर्फ अमन कुमार सिंह, संकेश कुमार गोड, वीरेंद्र कुमार शर्मा, मोनु कुमार उर्फ मोनु कुमार गुर्जर ने सुनवाई के दौरान अपने वकील के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराई। बता दें कि 28 जनवरी 2024 को आयोजित जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। मामले को लेकर जेएसएससी की तत्कालीन पदाधिकारी मधुमिता कुमारी के बयान पर केस दर्ज किया गया था।

आयोजित की जा रही थी। इसी दौरान आयोग के आधिकारिक मेल पर दोपहर 2:32 बजे और 2:38 बजे दो मेल प्राप्त हुए। जांच में पाया गया कि दोपहर 2:38 बजे आए ई-मेल के चार पन्नों में सामान्य ज्ञान (तृतीय पाली) के उत्तर-विकल्प क्रमवार तरीके से दर्ज थे। परीक्षा खत्म होने के बाद जब प्रश्न-पत्र का मिलान ई-मेल से मिले उत्तरों से कराया गया, तो 150 में से अधिकांश प्रश्नों के विकल्प हूबहू मेल खा गए। इसके बाद आयोग ने त्वरित निर्णय लेते हुए तृतीय पाली की परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया।

आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से बांटी गई थी सामग्री

शिकायत में उल्लेख किया गया है कि आयोग की परीक्षाओं में प्रश्न-पत्र तैयार करने, मुद्रण और

पैकिंग से लेकर रिजल्ट तैयार करने तक का काम चयनित आउटसोर्सिंग एजेंसी द्वारा किया जाता है। एजेंसी ने 22 और 23 जनवरी को रांची जिला कोषागार में सीलबंद परीक्षा सामग्री जमा कराई थी, जिसे 23 और 24 जनवरी को सभी जिलों के प्राधिकृत दंडाधिकारियों को सौंपा गया था। परीक्षा केंद्रों पर भी परीक्षा शुरू होने के 15 मिनट पहले दंडाधिकारी और परीक्षार्थियों के समक्ष ही सील खोलने के निर्देश थे। परीक्षा समाप्त तक किसी भी केंद्र से सील टूटने या गोपनीयता भंग होने की शिकायत नहीं मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस साइबर स्पेस और संबंधित ई-मेल आईडी के आधार पर प्रश्न-पत्र लीक करने वाले गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था।

हैंडबॉल क्लस्टर प्रतियोगिता के लिए झारखंड की टीम हरियाणा रवाना

रांची : तृतीय ऑल इंडिया पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर 2026-27 में भाग लेने के लिए झारखंड पुलिस की हैंडबॉल और बास्केटबॉल टीम हरियाणा के पंचकुला के लिए रवाना हो गई है। प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 14 सितंबर तक किया जाएगा। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी और प्रतियोगिता के आयोजन सचिव राजेश कुमार ने प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी की है। साथ ही संबंधित अधिकारियों और खिलाड़ियों को आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। जारी सूची में विभिन्न पुलिस इकाइयों से चयनित खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। झारखंड से हैंडबॉल के 33 और बास्केटबॉल के 26 खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए रवाना हुए हैं. बोकारो से बास्केटबॉल टीम के कोच बाल्मीकि पाठक और हैंडबॉल टीम के कोच अनुरजन सोमैद बनाए गए हैं. बास्केटबॉल कोच बाल्मीकि पाठक ने बताया कि दोनों टीमें पंचकुला, हरियाणा के लिए रवाना हो चुकी हैं।

ओबीसी कॉलम की मांग पर रांची में प्रदर्शन, अरगोड़ा चौक जाम

-हाईकोर्ट जज की गाड़ी भी घूमकर गयी

संवाददाता

रांची: मंगलवार को पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति रांची जिला ने अरगोड़ा चौक जाम कर दिया। उनकी मुख्य मांग जनगणना प्रपत्र में ओबीसी के लिए एक अलग कॉलम जोड़ना है। जाम सुबह करीब सवा नौ बजे शुरू हुआ। इस दौरान समिति के सदस्यों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारी ओबीसी कॉलम देना होगा, केंद्र सरकार हाथ-हाथ और ओबीसी एकता जिंदाबाद जैसे नारे लगा रहे थे। जातिगत जनगणना और 27 फीसदी आरक्षण की मांग: समिति के सदस्यों ने कहा कि जनगणना का काम शुरू हो चुका है और वे जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं, ताकि ओबीसी की सही संख्या का पता चल सके। समिति का कहना है कि आबादी पर 27 फीसदी आरक्षण सहित अन्य मांगें सरकार के सामने रखी जा रही हैं। समिति के सदस्यों ने बताया कि मंगलवार को



झारखंड के सात जिलों में प्रदर्शन किया जा रहा है।

अरगोड़ा चौक जाम होने से वाहनों की लगी कतार: प्रदर्शन के कारण अरगोड़ा चौक पर सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। जाम की वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग रास्ते से वापस लौटे और दूसरे मार्ग से अपने गंतव्य तक पहुंचे। इस दौरान हाईकोर्ट के एक जज की गाड़ी को भी जाम से बचने के लिए घूमकर

जाना पड़ा। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने एंबुलेंस को रास्ता दिया।

समिति के पदाधिकारी रहे मौजूद: प्रदर्शन के दौरान समिति के जिला अध्यक्ष जेम्स कुमार साहू, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साहू, शिरपूजन साहू सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। समिति ने जनगणना प्रपत्र में ओबीसी के लिए अलग कॉलम जोड़ने समेत अपनी अन्य मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखने की बात कही।

ओबीसी अधिकारों की आवाज दबाई नहीं जा सकती : अरुण साहू

अरगोड़ा चौक पर बंद के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन, अरुण साहू हुए डिटेल

रांची। झारखंड के सात जिलों में ओबीसी आरक्षण को शून्य किए जाने के विरोध तथा केंद्र सरकार द्वारा कराई जा रही जनगणना में ओबीसी कॉलम हटाए जाने के विरोध में पिछड़ा वर्ग संघर्ष समिति द्वारा आहुत बंद का तेली समाज के प्रदेश अध्यक्ष सह बरही विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी अरुण साहू ने समर्थन किया।

अरुण साहू के नेतृत्व में सैकड़ों समर्थक एवं युवा साथी रांची के अरगोड़ा चौक पहुंचे। इस दौरान शांतिपूर्ण रूप से सड़क पर विरोध-प्रदर्शन करते हुए ओबीसी समाज के अधिकारों एवं सम्मान के पक्ष में अपनी आवाज बुलंद की। ओबीसी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रहेगा अरुण साहू ने कहा कि ओबीसी समाज के अधिकारों से जुड़े मुद्दे सामाजिक न्याय और समान प्रतिनिधित्व से जुड़े हुए हैं। जनगणना में ओबीसी का अलग कॉलम शामिल करने तथा ओबीसी आरक्षण से जुड़े विषयों पर उचित पहल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाता रहेगा। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान अरुण साहू डिटेल : अरुण साहू ने कहा कि अरगोड़ा चौक पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान अरगोड़ा थाना द्वारा उन्हें डिटेल किया गया। उन्होंने कहा कि डिटेल किए जाने के बावजूद ओबीसी समाज के अधिकारों और सम्मान से जुड़े संघर्ष के प्रति उनका समर्थन कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। अधिकार, सम्मान और सामाजिक न्याय की इस लड़ाई को लोकतांत्रिक तरीके से आगे भी मजबूती के साथ उठाया जाएगा।



प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए बदलेंगे नियम, 72

घंटे में देना होगा मरीज का मेडिकल रिकॉर्ड

संवाददाता

रांची: निजी अस्पतालों में मरीजों के इलाज से जुड़ी जानकारी और मेडिकल रिकॉर्ड समय पर उपलब्ध नहीं कराने की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में अस्पतालों के पंजीकरण और उनके कामकाज की निगरानी की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत महसूस की गई है। इसे लेकर झारखंड में पंजीकरण और निगरानी की व्यवस्था में बदलाव की तैयारी है। नई व्यवस्था में मरीजों के अधिकारों को लेकर भी प्रावधान किए जा रहे हैं।

मरीज या उसके अधिकृत परिजन की मांग पर अस्पताल को 72 घंटे के भीतर मेडिकल रिकॉर्ड उपलब्ध कराना होगा। इसके अलावा अस्पतालों और क्लिनिकों की जानकारी का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने तथा नियमों के पालन की निगरानी को मजबूत किया जाएगा। अब इन संस्थानों के पंजीकरण से लेकर उनकी निगरानी तक की प्रक्रिया ऑनलाइन करने पर जोर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति एक सप्ताह में मसौदा तैयार करेगी।



क्या बदलाव होंगे: समिति मौजूदा नियमों में संशोधन का प्रस्ताव तैयार करेगी। समिति की अध्यक्षता स्वास्थ्य विभाग की विशेष सचिव डॉ नेहा अरोड़ा करेगी। इसमें अपर सचिव शशि प्रकाश सिंह, निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं डॉ सिद्धार्थ सान्याल, संयुक्त सचिव अनुज कुमार प्रसाद और केपीएमजी के प्रतिनिधि शामिल हैं। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत अस्पतालों और क्लिनिकों के पंजीकरण, उनके रिकॉर्ड और नियमों के अनुपालन की निगरानी को अधिक व्यवस्थित और डिजिटल बनाने पर जोर रहेगा। मरीजों को मेडिकल रिकॉर्ड समय पर उपलब्ध कराने से जुड़े प्रावधान भी इसमें शामिल किये जा रहे हैं।

शुरूआत कैसे हुई: रांची निवासी एक व्यक्ति ने अपने पिता की वर्ष 2017 में एक निजी अस्पताल में हुई मृत्यु के बाद इलाज से जुड़ा पूरा रिकॉर्ड मांगा था, लेकिन उन्हें रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया। इसके बाद उन्होंने झारखंड हाइकोर्ट में याचिका दाखिल की। इसके बाद मेडिकल संस्थानों के पंजीकरण और निगरानी की व्यवस्था को लेकर अदालत में मामला आगे बढ़ा। झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य में संचालित सभी अस्पतालों और क्लिनिकों का रजिस्टर तैयार करने और उसे लगातार अपडेट करने का निर्देश दिया है। अदालत ने नियमित निगरानी के लिए विशेषज्ञों की फ्लाइंग स्क्वाड बनाने का सुझाव भी दिया है।

रांची में दुर्गोत्सव की तैयारी तेज, जिला स्कूल में बन रहा है वाराणसी की तर्ज पर सर्ववेद मंदिर धाम

मेट्रो रेज

रांची: दस दिवसीय दुर्गोत्सव को लेकर राजधानी रांची में तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। शहर के सैकड़ों स्थानों पर दुर्गा पूजा पंडालों का निर्माण शुरू हो चुका है। पूजा समितियों और कारीगरों की ओर से पंडालों को अंतिम रूप देने का काम तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला स्कूल मैदान में इस बार वाराणसी की तर्ज पर सर्ववेद मंदिर धाम का निर्माण कराया जा रहा है। रामलला पूजा समिति के बैनर तले तैयार हो रहे इस भव्य पंडाल पर करीब सवा करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। पंडाल के निर्माण में पश्चिम बंगाल के करीब 80 कारीगर दिन-रात जुटे हुए हैं।

पंडाल की ऊंचाई करीब 100 फीट और चौड़ाई 140 फीट होगी। श्रद्धालुओं के लिए 14 अक्टूबर को पंडाल के पट खोल दिए जाएंगे। यहां मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन के साथ भजन संध्या और राम दरबार का आयोजन भी किया जाएगा।

बारिश को लेकर 9 तक यलो अलर्ट, तेज हवा और वज्रपात की चेतावनी

रांची : दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वापसी के बीच झारखंड में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। 9 अक्टूबर तक राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहेंगे. इस दौरान बारिश, गरज-चमक, वज्रपात और तेज हवा चलने की संभावना है. मौसम विज्ञान केंद्र, रांची ने 9 अक्टूबर तक बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है. 6 अक्टूबर को लोतेहार, गुमला, गढ़वा, सिमडेगा, रांची, पश्चिमी सिंहभूम, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, साहिबगंज, रामगढ़, हजारीबाग, जमशेदपुर और पलामू में बारिश हो सकती है. बारिश के दौरान गरज-चमक और तेज हवा चलने का भी अनुमान है. कुछ जगहों पर हवा की रफ्तार 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 6 और 7 अक्टूबर को राज्य के ज्यादातर हिस्सों में बादल छाए रहने की संभावना है. रांची में 6 से 8 अक्टूबर के बीच हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. 9 अक्टूबर को उत्तर-पश्चिमी झारखंड को छोड़कर राज्य के बाकी हिस्सों में कुछ जगहों पर वज्रपात हो सकता है।



इससे पहले धुवों में वर्ष 2024 में राम मंदिर और वर्ष 2025 में गुजरात के स्वामीनारायण मंदिर की तर्ज पर भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा चुका है। इस वर्ष भी जिला स्कूल मैदान में आकर्षण का केंद्र बनने वाला पंडाल तैयार किया जा रहा है।

जिला स्कूल मैदान को दो हिस्सों में बांटा गया है। एक ओर श्रद्धालुओं के लिए मां दुर्गा और पंडाल के दर्शन की व्यवस्था होगी, जबकि दूसरी ओर मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले और फास्ट फूड समेत सैकड़ों दुकानें लगाई जाएंगी।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय,राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना



नाम-सोनु कुमार, उम्र-23 वर्ष, सेंचाई-5 फीट 4 इंच, रंग-साँवला, पहनावा-चेकदार रंग का शर्ट एवं पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति सोनु कुमार, उम्र-23 वर्ष, पिता-सत्येन्द्र सिंह, ग्राम-प्रयागविद्या, थाना-डेहरी, जिला-रोहतास (बिहार) जो दिनांक-11.12.2019 से लापता जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए हैं। जिसके संबंध में रातु थाना काण्ड सं0-361/2019, दिनांक-01.12.2019, धारा-364/34 भा0दोवि0 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।
(Email ID)(mc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, मु०, द्वितीय, राँची।
थाना प्रभारी, रातु, राँची।
आवेदक सत्येन्द्र सिंह।

-9431706142

-9431706175

-74809195650

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 391117 Police(26-27).D

कार्यालय : जिला परिषद, रामगढ़

Email ID : ddc-ramgarh@jharkhandmail.gov.in

:- आम इश्तेहार :-

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला परिषद, रामगढ़ द्वारा गोला मार्केट कॉम्पलेक्स परिसर में अवैधरित्हा दुकान संस्था- 06 को (03 तीन) वर्षों के लिए डाक द्वारा बंदोबस्ती पर उपलब्ध कराया जाना है, विवरणी इस प्रकार है :-

दुकान संख्या	लम्बाई X चौड़ाई	क्षेत्रफल (वर्ग फीट)	10/- रुपये प्रति वर्ग फीट की दर से कुल मासिक राशि (रुपये में)	जमानत राशि
6	11.00' x 18.04'	198'	1980.00	20000.00

जो व्यक्ति बन्दोबस्ती में भाग लेना चाहते है आवेदन का निर्धारित शुल्क 500 /- (पाँच सौ) रुपये का राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट, जो DDC-CUM-CEO, DISTRICT BOARD, RAMGARH के पदनाम से देय हो, जिला परिषद, रामगढ़ के कार्यालय में दिनांक 12.10.2026 से 15.10.2026 तक जमा कर किसी भी कार्य दिवस में आवेदन फॉर्म प्राप्त कर सकते है।

नोट :- बंदोबस्ती से संबंधित नियम व शर्तें जिला परिषद्, रामगढ़ के सूचना पट्ट एवं जिला के वेबसाईट : www.ramgarh.nic.in में देखी जा सकती है।

ह०/—

उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य

PR 391149 District(26-27)#D कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, रामगढ़



सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

संसद से उठी व्यवस्था बदलने की मांग

पहली अक्टूबर 2026 को संघ लोक सेवा आयोग ने अपनी स्थापना के 100 गौरवशाली वर्ष पूरे कर लिए हैं। एक सदी से भारतीय प्रशासन का 'लौह ढांचा' तैयार करने वाला यह संस्थान आज अपनी ही मूल्यांकन पद्धति विशेषकर प्रारंभिक परीक्षा (सीसेट) के कारण गहरे सवालों के घेरे में है। इसी परिप्रेक्ष्य में, बृजलाल की अध्यक्षता वाली संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 160वीं रिपोर्ट में सीसेट के वर्तमान स्वरूप पर गहरी चिंता जताई है। समिति के अनुसार, सीसेट का कठिन गणितीय स्तर मानविकी, हिंदी माध्यम और ग्रामीण छात्रों के लिए एक अनुचित बाधा बन गया है। आंकड़े बताते हैं कि वर्तमान में चयनित 65-70% अभ्यर्थी तकनीकी (इंजीनियरिंग/मेडिकल) पृष्ठभूमि से हैं। संघ लोक सेवा आयोग के 100वें वर्ष में पनपा यह रुझान प्रशासन में सामाजिक और वैचारिक विविधता के लिए एक बड़ा संकट है। मार्च 2026 में, राज्यसभा सदस्य और पूर्व पुलिस अधिकारी बृजलाल के नेतृत्व वाली कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 160 वीं रिपोर्ट में अभिवृत्ति परीक्षा (सीसेट) के वर्तमान ढांचे पर गहरी चिंता जताई है। समिति का स्पष्ट मत है कि परीक्षा का उच्च गणितीय और विश्लेषणात्मक स्तर मानविकी, गैर-इंजीनियरिंग, हिंदी माध्यम और ग्रामीण क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के लिए एक अनुचित और पार न करने योग्य बाधा बन गया है। सांख्यिकीय आंकड़ों पर गौर करें तो, वर्तमान में सिविल सेवाओं में चयनित होने वाले लगभग 65 - 70 प्रतिशत अभ्यर्थी इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसी तकनीकी पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं। यह रुझान प्रशासन में वैचारिक विविधता और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व के समक्ष एक बड़ा संकट खड़ा कर रहा है। यह रिपोर्ट इस परीक्षा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इसके क्रमिक विकास, कानूनी विवादों, कट-ऑफ पर इसके सांख्यिकीय असर और संसदीय समिति के सुझावों की गहन समीक्षा करती है।

भारतीय सिविल सेवा परीक्षा का ढांचा समय-समय पर विशेषज्ञ समितियों के सुझावों के आधार पर बदलता रहा है। इसका मूल ध्येय प्रशासन की नई चुनौतियों के अनुसार अधिकांश दक्ष अधिकारियों का चयन करना रहा है। वर्ष 1976 में डी. एस. कोठारी समिति की अनुशंसाओं के आधार पर प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार वाले त्रिस्तरीय प्रारूप को अपनाया गया था। इसके बाद, 1989 में सतीश चंद्र समिति ने निबंध के अनिवार्य प्रश्नपत्र को जोड़ा।

इस दिशा में सबसे बड़ा वैचारिक बदलाव 2001 में प्रोफेसर वाई. के. अलघ समिति की रिपोर्ट से आया। इस समिति ने वकालत की कि प्रारंभिक स्तर पर अभ्यर्थियों का मूल्यांकन उनके वैकल्पिक विषयों के बजाय एक साझा प्रश्नपत्र के जरिए होना चाहिए। इसका उद्देश्य सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर उपलब्ध कराना था, ताकि अलग-अलग विषयों के कारण अंकों के मानकीकरण में आने वाली विसंगतियों को खत्म किया जा सके। इसके बाद, वर्ष 2009 - 10 में प्रोफेसर एस. के. खन्ना की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति बनी, जिसने इस नए अभिवृत्ति परीक्षण का पाठ्यक्रम तैयार किया। अंततः वर्ष 2011 में प्रारंभिक परीक्षा से वैकल्पिक विषय को हटाकर इसे सामान्य अध्ययन के द्वितीय प्रश्नपत्र के रूप में लागू कर दिया गया। शुरुआत के कुछ वर्षों (2011 - 2014) में इसके अंक मेरिट में जोड़े जाते थे, जिसने परीक्षा की पूरी दिशा ही बदल दी।

इस नई व्यवस्था के लागू होने के कुछ ही वर्षों में इसके दूरगामी परिणाम दिखने लगे। इंजीनियरिंग, प्रबंधन और विज्ञान के छात्रों ने गणित, तार्किक क्षमता और अंग्रेजी बोधगम्यता वाले हिस्सों में बहुत अधिक अंक हासिल किए। इसके उलट, मानविकी और भारतीय भाषाओं के अभ्यर्थियों की सफलता दर तेजी से गिरी। अरुण निगवेकर समिति (2011) ने भी माना कि यह प्रारूप शहरी और अंग्रेजी माध्यम के अभ्यर्थियों के पक्ष में झुका हुआ है।

वर्ष 2013 - 2014 आते-आते यह असंतोष एक बड़े छात्र आंदोलन में बदल गया। दिल्ली के मुखर्जी नगर जैसे केंद्रों पर भारी प्रदर्शन हुए। इसका एक बड़ा कारण मशीनी अनुवाद की भयंकर गलतियाँ थीं। उदाहरण के तौर पर, अंग्रेजी के 'इस्पात संयंत्र' वाले शब्द को हिंदी में 'लोहे का पौधा' अनुवादित कर दिया गया। ऐसी गलतियों ने हिंदी माध्यम के छात्रों के लिए तार्किक प्रश्नों को समझना असंभव बना दिया। भारी राजनीतिक दबाव के बाद, सरकार ने वर्ष 2015 से इस अभिवृत्ति परीक्षण को पूरी तरह से अहंकारी (केवल पास करने योग्य) बना दिया। नए नियमों के तहत अभ्यर्थियों को 200 में से केवल 33 प्रतिशत (छियासठ दशमलव छह सात अंक) लाना अनिवार्य कर दिया गया और मेरिट केवल प्रथम प्रश्नपत्र के आधार पर बनने लगी। शुरुआती वर्षों में अभ्यर्थियों ने इस अहंकारी प्रश्नपत्र को आसानी से पार कर लिया, लेकिन वर्ष 2021 से आयोग ने इसके प्रश्नों की जटिलता और विषयवार भारांक में भारी बदलाव करना शुरू कर दिया। वर्ष 2023 और 2024 के प्रश्नपत्रों ने यह साबित कर दिया कि यह परीक्षा अब दसवीं कक्षा के अपने निर्धारित स्तर से बहुत आगे निकल चुकी है।

विवयवार रुझानों का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि यह प्रश्नपत्र अब छंटनी का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। वर्ष 2021 में गणित के 35 और तर्कशक्ति के 18 प्रश्न पूछे गए थे, वहीं 2023 में गणित के सर्वाधिक 43 प्रश्न पूछे गए, जो पूरे प्रश्नपत्र का आधे से अधिक था। इस दौरान बोधगम्यता के प्रश्न 26 के आसपास स्थिर रहे, लेकिन तर्कशक्ति के प्रश्न घटकर 11 रह गए। सबसे अधिक ध्यान संख्या पद्धति और क्रमचय-संयोज जैसे उच्च स्तरीय विषयों पर केंद्रित कर दिया गया। प्रश्नों के स्वरूप में भी बदलाव आया; अब 'आंकड़े की पर्याप्तता' और 'कथन आधारित' प्रश्न अधिक पूछे जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर प्रबंधन (कैट) और प्रौद्योगिकी संस्थानों की संयुक्त प्रवेश परीक्षाओं से प्रेरित लगते हैं। बोधगम्यता के अनुच्छेदों की भी दार्शनिक और अत्यधिक गूढ़ बना दिया गया है। नकारात्मक अंकन (प्रत्येक गलत उत्तर पर शून्य दशमलव आठ तीन अंक की कटौती) के चलते सीमित समय में इन्हें हल करना गैर-विज्ञान पृष्ठभूमि वालों के लिए विनाशकारी साबित हुआ है। भले ही इसके अंक अंतिम मेरिट में नहीं जुड़ते, लेकिन प्रथम प्रश्नपत्र की कट-ऑफ पर इसका असर बहुत गहरा है। सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 में सामान्य वर्ग का कट-ऑफ 98 अंक था, जो धीरे-धीरे गिरकर 2022 में 88.22 पर आ गया। लेकिन 2023 में यह ऐतिहासिक रूप से गिरकर 75.41 पर आ गया। 2024 में थोड़ा संतुलन आने पर सामान्य वर्ग का कट-ऑफ फिर से 87.98 पर पहुंचा। कट-ऑफ में आई इस भारी गिरावट का मुख्य कारण यह था कि प्रथम प्रश्नपत्र में बहुत अच्छे अंक लाने वाले मेधावी छात्र अहंकारी प्रश्नपत्र की न्यूनतम अर्हता भी प्राप्त नहीं कर सके और दौड़ से बाहर हो गए। आयोग की 73 वीं और 74 वीं वार्षिक रिपोर्ट स्पष्ट रूप से एक तकनीकी नौकरशाही के उभार की पुष्टि करती है। अंतिम रूप से सफल होने वाले अभ्यर्थियों में इंजीनियरिंग और विज्ञान के छात्रों का दबदबा 65 से 75 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि मानविकी पृष्ठभूमि वालों की हिस्सेदारी गिरकर 23 प्रतिशत रह गई है। विडंबना यह है कि 74 वीं रिपोर्ट के अनुसार सफलता दर मानविकी विषयों में कहीं अधिक है। हिंदी साहित्य में यह लगभग 14.6 प्रतिशत, लोक प्रशासन में 8.8 प्रतिशत, राजनीति विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंध में लगभग 8 प्रतिशत, समाजशास्त्र में 7.8 प्रतिशत और भूगोल में 7.5 प्रतिशत रही। इसका सीधा अर्थ है कि समस्या मानविकी के पाठ्यक्रम में नहीं है, बल्कि प्रारंभिक स्तर की परीक्षा में है, जो कला के वास्तविक स्नातकों को पहले ही चरण में बाहर कर देती है।

एशियन गेम्स में दुनिया ने देखा भारत की नारी शक्ति का दम

भारत की बेटियों का यह प्रदर्शन केवल खेल की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह बदलते भारत और सशक्त होती नारी शक्ति की तस्वीर है। क्रिकेट में भारतीय महिला टीम ने स्वर्ण जीतकर देश का गौरव बढ़ाया, वहीं महिला कबड्डी और महिला हॉकी टीम ने भी स्वर्णिम सफलता हासिल की। महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम वापसी विशेष रूप से ऐतिहासिक रही, जिसने 44 वर्ष बाद एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को 85 पदक दिलाए और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारत के खाते में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक आए। इस उपलब्धि की सबसे गौरवपूर्ण तस्वीर यह है कि महिला खिलाड़ियों ने 38 पदक अपने नाम किए, जो पुरुष खिलाड़ियों के बराबर हैं। इनमें 11 स्वर्ण पदक महिला खिलाड़ियों और महिला टीमों ने जीते। भारत की बेटियों का यह प्रदर्शन केवल खेल

निर्मला भूरिया

की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह बदलते भारत और सशक्त होती नारी शक्ति की तस्वीर है। क्रिकेट में भारतीय महिला टीम ने स्वर्ण जीतकर देश का गौरव बढ़ाया, वहीं महिला कबड्डी और महिला हॉकी टीम ने भी स्वर्णिम सफलता हासिल की। महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम वापसी विशेष रूप से ऐतिहासिक रही, जिसने 44 वर्ष बाद एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

एशियन गेम्स में भारतीय बेटियों की सफलता महिला सशक्तीकरण की सबसे प्रभावशाली तस्वीर है। आज हमारी बेटियां केवल खेल के मैदान में पदक नहीं जीत रहीं, बल्कि वे देश की करोड़ों बेटियों के सपनों को भी नई दिशा दे रही हैं। उनकी सफलता यह विश्वास मजबूत करती है कि बेटी को अवसर, प्रोत्साहन और विश्वास दिया जाए तो वह किसी भी क्षेत्र में सर्वोच्च शिखर तक पहुंच सकती है।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी भारतीय बेटियों ने नए इतिहास रचे। कुमकुम मोहोड ने महिला व्यक्तिगत



रिकर्व में भारत के लिए पहला एशियन गेम्स स्वर्ण पदक जीता। महिला रिकर्व टीम ने भी स्वर्ण अपने नाम किया। निशानेबाजी में नीरू धांडा ने स्वर्ण पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन और परवीन हुड्डा ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि गोल्फ में प्रणवी उर्स ने भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया। मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर भारत के लिए इस खेल में लंबे अंतराल के बाद पदक दिलाया।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में मध्य प्रदेश की बेटियों ने भी अपनी प्रतिभा और मेहनत का परचम लहराया। प्रदेश की क्रिकेटर क्रांति गौड़ भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा बनीं। छोटे से गांव से निकलकर एशियन गेम्स जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचकर स्वर्ण पदक जीतना उनकी मेहनत और संघर्ष की प्रेरक कहानी है। निशानेबाजी में मध्यप्रदेश की नीरू ढांडा ने

अर्थव्यवस्था मजबूत, फिर शेयर बाजार क्यों गिर रहा है?

वर्ष 2026 में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 2.8 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। वैश्विक निवेशकों के लिए इस समय अमेरिका के बॉन्ड, अमेरिकी शेयर बाजार और कुछ उभरते बाजार अधिक आकर्षक दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड का ऊंचा स्तर सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर रिटर्न का विकल्प प्रस्तुत करता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता

कार संग्रह लगातार ऊंचे स्तर पर पहुंच रहा है। इसके बावजूद शेयर बाजार में लगातार गिरावट ने कई सवाल खड़े किए हैं। सेंसेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 अंक से घटकर 1 अक्टूबर 2026 को 71,910 अंक और निफ्टी 24,836 से गिरकर 22,422 अंक पर आ गया। यानी एक वर्ष में दोनों प्रमुख सूचकांक में लगभग 10 से 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। क्या यह गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरी का संकेत है? उपलब्ध आर्थिक संकेतक इसका समर्थन करते दिखाई नहीं

प्रहलाद सबनानी

देते। शेयर बाजार और अर्थव्यवस्था के बीच संबंध अवश्य है, पर दोनों हमेशा एक दिशा में नहीं चलते। शेयर बाजार मुख्यतः सूचीबद्ध कंपनियों की भविष्य की आय, लाभप्रदता और निवेशकों की अपेक्षाओं के आधार पर मूल्य तय करता है। इसके साथ वैश्विक पूंजी का प्रवाह भी बाजार की दिशा प्रभावित करता है। मौजूदा गिरावट को समझने के लिए विदेशी संस्थागत निवेशकों के व्यवहार, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, कच्चे तेल की कीमतों, डॉलर की मजबूती और भारतीय शेयरों के अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन को देखना होगा।

विदेशी पूंजी की बड़ी निकासी : वर्ष 2026 में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 2.8 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। वैश्विक निवेशकों के लिए इस समय अमेरिका के बॉन्ड, अमेरिकी शेयर बाजार और कुछ

उभरते बाजार अधिक आकर्षक दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड का ऊंचा स्तर सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर रिटर्न का विकल्प प्रस्तुत करता है। अमेरिकी तकनीकी कंपनियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचार से उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ने की उम्मीद भी वहां निवेश आकर्षित कर रही है।

विवतनाम और दक्षिण कोरिया जैसे बाजारों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा तकनीकी क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों की संभावनाएं विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। चीन भी इस दौड़ में महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक कमजोर प्रदर्शन के कारण चीनी कंपनियों का कीमत-आय अनुपात भारतीय कंपनियों की तुलना में अधिक आकर्षक हो गया है। जहां चीन में औसत पीई अनुपात 12 के नीचे बताया जा रहा है, वहीं भारत में यह 20 से ऊपर है। ऐसे में वैश्विक निवेशक समान पूंजी से अधिक संभावित मूल्य प्राप्त करने के लिए चीन की ओर भी देख रहे हैं।

यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच भारतीय संस्थागत निवेशक बाजार में पूंजी लगा रहे हैं। म्यूचुअल फंडों के माध्यम से हर महीने 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश भारतीय शेयर बाजार में हो रहा है। इसका अर्थ है कि बाजार से पूंजी पूरी तरह बाहर नहीं जा रही, उसका स्वामित्व और प्रवाह एक हिस्से में विदेशी निवेशकों से घरेलू निवेशकों की ओर स्थानांतरित हो रहा है।

युद्ध, तेल और डॉलर का दबाव : वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव ने भी बाजार की चिंता बढ़ाई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष और अन्य अंतरराष्ट्रीय तनावों का असर ऊर्जा बाजार पर पड़ता है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गई हैं, जबकि एक वर्ष पहले यह लगभग 65 डॉलर थी। भारत अपनी कच्चे तेल की

खपत का 90 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। इसलिए तेल की कीमतों में बड़ी वृद्धि से आयात बिल, चालू खाते और रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। फिर भी यह समझना आवश्यक है कि आशंका और वास्तविक आर्थिक स्थिति दो अलग-अलग चीजें हैं। भारत में महंगाई की नियंत्रण में रखने के प्रयास अब तक प्रभावी रहे हैं। बाजार भविष्य की संभावित चुनौतियों को वर्तमान कीमतों में शामिल करता है। इसी कारण किसी वैश्विक जोखिम की आशंका भी शेयरों की कीमतों को प्रभावित कर सकती है।

डॉलर की मजबूती ने दबाव और बढ़ाया है। डॉलर इंडेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 97.71 से बढ़कर 1 अक्टूबर 2026 को 101.80 के स्तर पर पहुंच गया। इसी अवधि में रुपया लगभग 96 रुपये प्रति डॉलर तक कमजोर हुआ। सोने की कीमत भी 3,871 डॉलर प्रति औंस से बढ़कर 4,170 डॉलर पहुंच गई है। भारत सोने का बड़ा आयातक है और इसके भुगतान के लिए डॉलर की आवश्यकता होती है। इससे रुपये पर अतिरिक्त दबाव बनता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर अलग : यदि शेयर बाजार की गिरावट को आर्थिक गतिविधियों के वास्तविक आंकड़ों के साथ रखकर देखा जाए तो तस्वीर काफी अलग दिखाई देती है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। यह वैश्विक अनुमानित वृद्धि दर लगभग 3 प्रतिशत और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं की लगभग 3.8 प्रतिशत दर से काफी ऊपर है।

अगस्त 2026 में औद्योगिक विकास दर 8 प्रतिशत रही, जबकि अगस्त 2025 में यह 4.7 प्रतिशत थी। अगस्त 2026 में वस्तुओं का निर्यात लगभग 4,380 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया, जबकि एक वर्ष पहले यह 3,480 करोड़ डॉलर था।

गौरवान्वित किया। एक बेटी की सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होती, बल्कि वह पूरे परिवार, समाज और देश की सोच को बदलने की ताकत रखती है। एशियन गेम्स में बेटियों की सफलता उन सभी परिवारों के लिए प्रेरणा है, जो अपनी बेटियों को खेल, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, प्रशासन, उद्यमिता और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए वातावरण तैयार हुआ है। हबबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्म से लेकर बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने तक की सोच अब जमीन पर दिखाई दे रही है। मध्य प्रदेश में भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं और बेटियों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

एशियन गेम्स की बेटियों की सफलता हमें यह संदेश देती है कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों तक सीमित नहीं है। सच्चा सशक्तिकरण तब है, जब बेटी अपने सपनों का रास्ता स्वयं चुन सके, अपनी प्रतिभा को पहचान सके और अपनी मेहनत के बल पर दुनिया के सामने अपनी पहचान बना सके। आज कुमकुम मोहोड, नीरू धांडा, लवलीना बोरगोहेन, परवीन हुड्डा, प्रणवी उर्स, मीराबाई चानू और भारतीय महिला टीमों की उपलब्धियां देश की हर बेटी को यह संदेश दे रही हैं- आसमान कोई सीमा नहीं है।

एशियन गेम्स में भारतीय बेटियों ने पदक जीतकर सिर्फ तिरंगा नहीं ऊंचा किया, बल्कि महिला सशक्तिकरण की नई दिशाबत भी लिखी है। यह उपलब्धियां आने वाली पीढ़ी की बेटियों के लिए प्रेरणा बनेंगी और उन्हें यह विश्वास देंगी कि उनके सपनों को पूरा करने के लिए देश उनके साथ खड़ा है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता

15 सितंबर 2026 को समाप्त पखवाड़े में बैंक ऋण वृद्धि 18.1 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 10.4 प्रतिशत थी। बैंक जमा की वृद्धि भी 9.5 प्रतिशत से बढ़कर 17.3 प्रतिशत हुई। ऋण-जमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के स्तर पर पहुंचना अर्थव्यवस्था में बढ़ती ऋण मांग का संकेत देता है।

बैंकिंग क्षेत्र की मजबूती भी महत्वपूर्ण है। सकल गैर-निष्पादित आस्तियां जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत से घटकर जुलाई 2026 में 1.68 प्रतिशत रह गईं। शुद्ध एनपीए 0.5 प्रतिशत से घटकर 0.4 प्रतिशत रहा। पूंजी पर्याप्तता अनुपात 17.5 प्रतिशत से बढ़कर 17.8 प्रतिशत हो गया। यह बताता है कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली पहले की तुलना में अधिक मजबूत पूंजी आधार के साथ आर्थिक गतिविधियों को समर्थन दे रही है।

उद्योगों द्वारा उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जाना भी अर्थव्यवस्था में मांग की मजबूती दर्शाता है। जब क्षमता उपयोग इस स्तर तक पहुंचता है तो कंपनियों के सामने उत्पादन क्षमता विस्तार की आवश्यकता उभरती है। जीएसटी संग्रह इसका एक और संकेतक है। सितंबर 2026 में 14.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ जीएसटी संग्रह 2.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा और लगातार तीसरे महीने यह आंकड़ा दो लाख करोड़ रुपये से ऊपर रहा। डिजिटल अर्थव्यवस्था की गति भी उल्लेखनीय है। सितंबर 2026 में यूपीआई के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 80 करोड़ से अधिक लेन-देन दर्ज हुए। अगस्त में यह संख्या लगभग 79 करोड़ और सितंबर 2025 में 65 करोड़ से अधिक थी। यह भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था और डिजिटल भुगतान के विस्तार का स्पष्ट संकेत है।

शाम को उनका स्वरूप बूढ़ी महिला के रूप में दिखाई देता है।

जानें क्यों प्रसिद्ध है मंदिर

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक एक बार भीषण बाढ़ की वजह से मंदिर बह गया था और धारी देवी की मूर्ती धारो नामक गांव के पास एक चट्टान के पास रुक गई थी। वहीं गांव वालों को मूर्ति से विलाप की आवाज सुनाई दी और इस आवाज ने उनको मूर्ति को स्थापित किए जाने के निर्देश दिए। तब गांव वालों ने मिलकर फिर उसी स्थान पर धारी माता की मूर्ति को स्थापित किया।

वहीं अन्य मान्यता के अनुसार, साल 2013 में केदारनाथ बाढ़ से ठीक पहले किसी काम के कारण धारी देवी मंदिर को स्थानांतरित किया गया था।

स्थानीय लोगों का मानना है कि धारी देवी के प्रकोप की वजह से ही बाढ़ आई थी। फिर बाद में उसी जगह पर मंदिर की निर्माण कर देवी की मूर्ति को स्थापित किया। इसलिए धारी देवी मंदिर की इतनी अधिक मान्यता है।

मंदिर की खासियत

- धारी देवी मंदिर में देवी को 'उतराखंड की रक्षक देवी' और चारों धाम की संरक्षक के रूप में पूजा जाता है।
- इस मंदिर को 108 शक्ति स्थलों में से एक माना जाता है।
- धारी देवी की मूर्ति का सिर्फ ऊपरी आधा भाग पूजनयोग्य है। वहीं रुद्रयाग के कालीमठ में मूर्ति का निचला हिस्सा पूजा जाता है।
- धारी देवी के दर्शन किए بغैर चार धाम यात्रा अधूरी मानी जाती है।
- हर साल नवरात्रि के चौथे पर देवी कालीसौर की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक :** लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**

www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com



आरपीएफ ने बरहरवा व तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन से पांच नाबालिग बच्चों का किया रेस्क्यू



साहिबगंज/बरहरवा:आरपीएफ पोस्ट बरहरवा की टीम द्वारा तीनपहाड़ एवं बरहरवा रेलवे स्टेशन में नियमित गश्त एवं सघन चेकिंग के दौरान विभिन्न परिस्थितियों में कुल पांच नाबालिग बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गयाहै। आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके नेतृत्व में चलाये गये अभियान में रात्रि लगभग 10:35 बजे तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन क्षेत्र में एक नवालिक लड़की अपने दो वर्षिय छोटे भाई को गोद में लेकर घूमते हुए पाया गया। पृछताछ के दौरान बालिका ने बताया कि पारिवारिक कारणों माता के डांटने पर से वह अपने छोटे भाई को साथ लेकर घर से निकल गई थी। उसे आरपीएफ पोस्ट लादा गया वही दुसरी ओर समय लगभग 12: 20 बजे बरहरवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक व वेटिंग रूम में चेकिंग के दौरान अलग-अलग स्थानों से तीन अन्य नाबालिग बच्चों को संदिग्ध अवस्था में पाया गया। पृछताछ के दौरान एक नाबालिग बालक एवं एक नाबालिग बालिका जिसकी उम्र क्रमश 17 व 16 वर्ष है और थाना तीनपहाड़ के रहने वाले है ने बताया कि वे पिछले लगभग दो वर्षों से एक-दूसरे के संपर्क में थे। एक दूसरे से प्यार करते है। घर से बिना माता-पिता को सूचित किए निकलकर बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुंचने की बात बताई। वहीं, एक अन्य नाबालिग बालिका ने पूछताछ के दौरान बताया कि उसकी उम्र 16 साल है और बरहेट थाना के अंतर्गत की रहने वाली है। मोबाइल फोन फेसबुक के माध्यम से पटना के निवासी एक व्यक्ति से उसका परिचय लगभग 1 साल से था एवं बातचीत थी और वे दोनों एक दूसरे से प्यार करते थे बिना माता-पिता को सूचित किए घर से निकलकर सड़क मार्ग से ट्रेन पकड़ने बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुंची थी । तत्पश्चात नियमांुसार आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद सभी पांच नाबालिग बच्चों को मंथन बरहरवा की प्रतिनिधि आराधना मंडल और अंशु मालाकार को अग्रिम आवश्यक कार्रवाई, देखरेख एवं संरक्षण हेतु सुपुर्द किया गया।



झारखंड राज्य सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता में जिले की बेटियों का शानदार प्रदर्शन

साहिबगंज : कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड एवं जामताड़ा कबड्डी संघ द्वारा 02 से 04 अक्टूबर तक जामताड़ा के गांधी मैदान में संपन्न 20वीं झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता में जिला कबड्डी संघ के नेतृत्व में भाग लेते हुए जिले की महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोच अनमोल रतन, ममता कुमारी, संघ के अध्यक्ष नवनीत कुमार सोनू के नेतृत्व में तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया।जिसमें राष्ट्रीय खिलाड़ी ममता कुमारी की कप्तानी में आरती कुमारी ,पिहू कुमारी,कंचन कुमारी रानी कुमारी,दुलारी कुमारी ,चाँदनी कुमारी, दिव्या कुमारी ,चाँदनी कुमारी ,रेखा कुमारी ,पूजा कुमारी ,साक्षी कुमारी का सहयोग सहाहनीय रहा। विजेता महिला कबड्डी टीम को उपयुक्त दीपक कुमार दावे, उपवििकास आयुक्त सतीश चंद्रा,परियोजना निदेशक संजय कुमार दास, जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार समेत जिले वासियों ने बधाई दी।

महादेवगंज में महिला की पत्थर से कूचकर हत्या, इलाके में सनसनी

साहिबगंज:जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के महादेवगंज ललमटिया गांव के पास सोमवार की रात अपराधियों ने एक महिला की पत्थर से कूचकर हत्या कर दी। मृतका की पहचान शंकर भुइयां की पत्नी गीता देवी (45) के रूप में हुई है।महिला के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं।घटना की सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।हत्या के कारणों का अब तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच करते हुए घटना में शामिल आरोपियों की तलाश में जुटी है।इधर,घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कारोबारी से 49 लाख की धोखाधड़ी, कोलकाता के व्यक्ति पर प्राथमिकी

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के भारतीय कॉलोनी निवासी कारोबारी सुनील भारतीया पिता मुरारी लाल भारतीया ने करीब 49 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पश्चिम बंगाल निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। मामले को लेकर नगर थाना में दिये गये आवेदन के आधार पर कांड संख्या 185/26 दर्ज की गयी है।दर्ज प्राथमिकी में सुनील भारतीया ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता निवासी पूरनमल चौधरी के पुत्र अनील कुमार चौधरी पर करीब 49 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, कारोबारी लेन-देन के दौरान यह राशि जुड़ी है। मामले में पुलिस ने आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।बताया जाता है कि उक्त कारोबारी के साथ पूर्व में भी ठगों की घटना हो चुकी है। इस कारण ताजा मामले को लेकर कारोबारी ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। क्या कहते हैं थाना प्रभारी: नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि दिये गये आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

पिता से मारपीट के मामले में पुत्र गिरफ्तार, भेजा गया जेल

साहिबगंज :जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के सोलबंदा गांव में पिता के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने पुत्र नंदू शाह 32 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस संबंध में पिता सुरेश शाह ने अपने पुत्र के खिलाफ जिरवाबाड़ी थाना में मारपीट की प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस के अनुसार, प्राथमिकी के आधार पर कार्रवाई करते हुए नंदू शाह को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में थाना कांड संख्या 188/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।



बच्चों के पोषण स्वास्थ्य और स्वच्छता पर जोर

आंगनबाड़ी सेविकाओं को किया सम्मानित

संवाददाता

साहिबगंज:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत सोमवार को साहिबगंज ग्रामीण मंडल के महादेवगंज स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों पर आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजन मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अनांत कुमार ओझा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के पोषण,स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद वगों तक सेवा कार्य पहुंचाने का संदेश दिया गया।पूर्व विधायक अनांत कुमार ओझा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के प्रारंभिक विकास,पोषण



और स्वास्थ्य की मजबूत नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समाज के अतिम व्यक्ति तक सेवा

और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बच्चों को समय पर टीका लगवाने,पौष्टिक आहार देने और स्वच्छता के प्रति

जागरूक रहने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि स्वस्थ और शिक्षित बच्चों से ही मजबूत समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव है।कार्यक्रम के

दौरान आंगनबाड़ी सेविका उषा देवी,सहायिका चंचला देवी,सेविका पूनम देवी एवं सहायिका शोमा देवी को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।वहीं बच्चों के बीच पौष्टिक आहार,फल,केला एवं बिस्कुट का वितरण किया गया।उपस्थित लोगों को बच्चों के नियमित टीकाकरण,संतुलित पोषण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल,जिला मंत्री चांदनी देवी, निवर्तमान जिला मंत्री मनोज यादव,महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता देवी,मंडल उपाध्यक्ष निशा देवी शक्ति केंद्र संयोजक कुंदन कुमार यादव,कृष्णानंद,विकास कुमार यादव उपाध्याय,उमेश राम,संजीत सिंह सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान

32 वाहनों पर कार्रवाई, 64,500 वसूला जुर्माना



साहिबगंज :सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आइन्द के नेतृत्व में जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया । अभियान के दौरान कुल 76 वाहनों की जांच की गई, जिसमें मोटर वाहन अभिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले 32 वाहनों के विरुद्ध वालान की कार्रवाई की गई। संबंधित वाहनों से कुल 64,500 का जुर्माना वसूला गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें तथा वाहन चलाते समय आवश्यक दस्तावेज साथ रखें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं नियमों का अनुपालन सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अभियान में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, एसआई, संजय दुबे, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर र्नालिस्ट अनुर पराशर सहित पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे।

24 घंटे मे गौरचंद बागती हत्याकांड का खुलासा

गला रेतकर हत्या मामले में चचेरा भाई गिरफ्तार



संवाददाता

साहिबगंज:राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर चौक के पास एनएच 33 सड़क पर मोहनपुर निवासी गौरचन्द्र बागती की गला रेतकर हत्या मामले में राधानगर थाना पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा कर दिया है। आपसी रंजिश में चचेरे भाई बहादुर बागती ने ही अपने भाई की हत्या कर दी।राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि बीते रविवार की सुबह करीब 04:45 बजे सूचना मिली कि मोहनपुर चौक के पास एक व्यक्ति की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। सूचना पर एसपी अमित कुमार सिंह के निर्देश पर राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन

किया गया दल ने मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर मृतक के चचेरे भाई बहादुर बागती पिता- स्व.सुफल बागती साकिन- मोहनपुर थाना- राधानगर को पकड़ा।कड़ाई से पूछताछ में आरोपी ने आपसी रंजिश के कारण हत्या की बात स्वीकार की। घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त एक चाकू और चप्पल बरामद किया गया है।इस संबंध में राधानगर थाना कांड संख्या- 353/26 दिनांक.10.26 धारा- 103(1) बीएनएस -2023 दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा दिया गया है। छापेमारी दल में राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन,राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी,गंगा नदी थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस जवान मौजूद थे।

बोरियो में झारखंड मजदूर संघ की प्रखंड कमेटी का विस्तार

सात अक्टूबर को श्रम समस्याओं व केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ धरना-प्रदर्शन

साहिबगंज/बोरियो:झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बोरियो प्रखंड कमेटी का विस्तार सोमवार को प्रखंड परिसर में प्रखंड अध्यक्ष जॉर्ज पहाड़िया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में किया गया।बैठक में संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव व केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी मुख्य रूप से उपस्थित रहें।बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि मजदूरों और आम लोगों से जुड़ी समस्याओं को लेकर संगठन लगातार संघर्ष करता रहेगा।उन्होंने कहा कि खान और खनिज विकास व विनियमन कानून में मजदुर हितों का ध्यान रखा जाए,महंगाई पर तत्काल रोक लगाई जाए चारों नए श्रम कानूनों को अविलंब वापस लिया जाए। उन्होंने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ मजदूरों को एकजुट होकर आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर को जिला



मुख्यालय साहिबगंज के सम्मिश्र श्रम समस्याओं एवं केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।इस दौरान यूपीआई टैक्स वापस लेने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आवाज उठाई जाएगी।बैठक में बोरियो प्रखंड कमेटी का गठन करते हुए जॉर्ज पहाड़िया को अध्यक्ष, मनोज यादव को कार्यकारी अध्यक्ष, हांजा

बेसरा एवं मैसा पहाड़िया को उपाध्यक्ष,अभिजीत रक्षित को महामंत्री,जितू यादव एवं सुरजा पहाड़िया को सहायक मंत्री,अमरेंद्र मातोतो को कार्यालय मंत्री,पिनाकी रंजन सेन को कोषाध्यक्ष तथा राम सुंदर पहाड़िया को संगठन मंत्री बनाया गया। वहीं छोटा बबलू पहाड़िया,सनोती मुर्मु,मैसा पहाड़िया एवं गोपाल दास को सदस्य बनाया गया।

छात्रा की शिकायत के बाद कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में जांच के बाद कार्रवाई

वॉर्डन, रसोईया व गार्ड को किया सेवा मुक्त

संवाददाता

साहिबगंज/पतना:बीते दिनों कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पतना में एक छात्रा ने साहेबगंज जिला उपायुक्त को लिखित आवेदन देते हुए वॉर्डन व गार्ड पर मारपीट करने और रिश्वत की मांग करने को लेकर शिकायत की थी। शिकायत के बाद की गयी जांच और औचक निरीक्षण में कई विभिन्न अनियमितताएं सामने आने के बाद साहिबगंज डीईओ नयन कुमार ने बड़ी कार्रवाई की है। विद्यालय की वार्डन प्रिया सरिता हासंदा, रसोईया सरीता कुमारी और गार्ड सरवन पंडित को सविदा रद्द करते हुए उन्हें सेवा से मुक्त कर दिया गया है।जानकारी के अनुसार साहेबगंज शिक्षा विभाग की जांच टीम विद्यालय पहुंची थी. निरीक्षण के दौरान विद्यालय में सरकारी नियमों का पालन नहीं करने, बच्चों के साथ मारपीट करने और उन्हें

अच्छा भोजन नहीं दिये जाने की बात सामने आयी. विद्यालय में बच्चों को मीनू के अनुसार भोजन नहीं मिलने की बात भी जांच के दौरान सामने आयी। विद्यालय के अंदर अवैध रूप से चल रही थी दुकान: जांच टीम के निरीक्षण के दौरान विद्यालय के अंदर एक छोटी दुकान भी संचालित होने की बात सामने आयी. इसमें बच्चों के खाने-पीने की सामग्री एमआरपी से दोगुनी दर पर बेचे जाने की बात कही गयी है।डीईओ नयन कुमार ने कहा कि पिछले दिनों निरीक्षण के क्रम में विद्यालय में जो अनियमितताएं सामने आयी थीं, उसके आधार पर विद्यालय की वार्डन, रसोईया और गार्ड की सविदा रद्द करते हुए उन्हें सेवा से मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा किसी भी विद्यालय में सरकारी अनियमितताएं बर्दाश्त नहीं कि जाएगी। पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

रिसौड में भीषण सड़क हादसा ,16 चक्का वाहन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

साहिबगंज/बरहरवा :थाना क्षेत्र के बरहरवा-फरक्का मुख्य मार्ग पर रिसौड मोड़ के समीप रविवार की देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में 60 वर्षीय वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई। विपरीत दिशा से आ रही 16 चक्का वाहन की चपेट में आने से वृद्ध ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।मृतक की पहचान बरहरवा नगर के रतनपुर निवासी 60 वर्षीय वीरेंद्र नाथ पांडेय, पिता महावीर पांडेय के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, वीरेंद्र नाथ पांडेय रविवार की शाम बैलढांगा से अपने घर रतनपुर साइकिल से लौट रहे थे। इसी दौरान बरहरवा-फरक्का मुख्य मार्ग पर रिसौड के समीप विपरीत दिशा से तेज गति में आ रही 16 चक्का वाहन (संख्या यूपी 44 एटी 3199) ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। जिससे वीरेंद्र नाथ पांडेय को संभलते तक का मौका नहीं मिला और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वाहन चालक वाहन लेकर हुआ फरार।ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को दबोचा: घटना के बाद वाहन चालक मौके पर रुकने के बजाय वाहन लेकर फरार होने लगा। यह देख आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन का पीछ कर सिरासीन मोड़ के पास पकड़ लिया।घटना की सूचना मिलते ही बरहरवा थाना के एएसआई पंकज कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

नेशंस लीग में बतौर कोच जिदान की पहली घरेलू जीत, फ्रांस ने बेल्जियम को 4-1 से हराया

एजेंसी

पेरिस : फ्रांस ने सोमवार को नेशंस लीग 2026-27 के ग्रुप ए। मुकाबले में बेल्जियम को 4-1 से हराकर शानदार वापसी की। फ्रांस की यह जिदान के मुख्य कोच बनने के बाद घरेलू मैदान पर पहली जीत है। वहीं इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराकर लगातार तीसरे मैच में अजेय रहने का सिलसिला जारी रखा। स्टेड डी फ्रांस में बेल्जियम ने 35वें मिनट में डोडी लुकबाकियो के गोल से बढ़त हासिल कर ली थी। हालांकि, फ्रांस के स्थानापन्न खिलाड़ियों ने आखिरी 15 मिनट में मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। डेसिरे डुए ने 77वें मिनट में बराबरी का गोल किया, जबकि चार मिनट बाद रयान शेरकी ने फ्रांस को बढ़त दिला दी। माइकल ओलिसे ने इसके बाद स्टंपिज टाइम से ठीक पहले और फिर अतिरिक्त समय में गोल कर अपना दोहरा पूरा किया। जिदान ने मैच के बाद कहा, ह्रयही फुटबॉल है, यही वह चीज है जिसे हम पसंद करते हैं। मुश्किलें थीं, लेकिन यह खेल का हिस्सा है और इस तरह के मुकाबलों में ऐसा होता है। चीजों को सही करना अच्छा है



और हमने असाधारण दूसरे हाफ के साथ ऐसा किया। पहले हाफ में हम अंतिम कुछ मीटर में कमी महसूस कर रहे थे, लेकिन फिर हमने मैच का रुख बदल दिया और यह अच्छा रहा। बेल्जियम को बढ़त तब मिली जब डोडी लुकबाकियो फ्रांस की आगे बढ़ी हुई रक्षापंक्ति को चकमा देकर रोमियो लाविया के लंबे पास तक पहुंचे और अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे गोलकीपर गिलाउम रेस्टे को आमने-सामने की स्थिति में छकाकर गोल किया। 2018 विश्व कप विजेता फ्रांस, कप्तान किलियन एमबाप्पे के बिना खेलते हुए, गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने

में सफल रहा, लेकिन बेल्जियम की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने मौके बनाने में नाकाम रहा। यह लगातार आठवां मैच था जिसमें फ्रांस ने पहले हाफ में कोई गोल नहीं किया। मैच के 60वें मिनट में ओलिसे और शेरकी मैदान पर आए, जबकि डुए को 12 मिनट बाद उतारा गया। इसके बाद फ्रांस के हमलों में तेजी आई।ओलिसे ने कहा, ह्रहमने अंत में अच्छा खेला। पहले हाफ में उनकी निचली रक्षापंक्ति के खिलाफ मुश्किल थी। इसके बाद हम लगातार प्रयास करते रहे और अंत में अच्छा परिणाम मिला। यह टीम का प्रयास है। जिदान अपने विचार लेकर आते हैं और हम उनका

अनुसरण करते हैं। हम इसी तरह आगे बढ़ते रहेंगे। बेल्जियम के गोलकीपर मार्टेन वॉडेवोर्ट ने ब्रैडली बारकोला, एस्तेबान लेपाउल, ओलिसे और शेरकी के प्रयासों को रोककर अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन डुए के शॉट को रोक नहीं सके। पेरिस सेंट-जर्मेन के इस विंगर ने बॉक्स के किनारे से बाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। चार मिनट बाद ओलिसे ने शानदार प्रदर्शन की शुरुआत की। उन्होंने शेरकी के लिए क्रॉस दिया, जिस पर शेरकी ने गोल कर फ्रांस को बढ़त दिलाई। इसके बाद ओलिसे ने तीन मिनट के भीतर करीब से दो गोल कर फ्रांस की जीत को शानदार बना दिया।

इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया

दूसरे मुकाबले में इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया। इटली की ओर से जियानलुका स्कामाका, रिकाडो कालाफियोरी और पियो एस्प्योसितो ने गोल किए। तुर्किये के लिए अराल सिमिशिर ने एक गोल किया। स्कामाका ने करीब से वाली लगाकर इटली को बढ़त दिलाई। उनका शॉट क्रॉसबार से

टकराकर गोल में गया। इसके बाद तुर्किये ने शानदार टीम मूव के जरिए बराबरी की। सिमिशिर ने गोलपोस्ट के दूर वाले हिस्से से गेंद को जाल में पहुंचाया। हालांकि, तीन मिनट बाद निकोलो बोरका के फ्री-किक पर कालाफियोरी ने हेडर से गोल कर इटली को फिर बढ़त दिला दी। इसके बाद एस्प्योसितो ने इटली का तीसरा गोल किया। तुर्किये की ओर से इस्सा डोम्बिया और इटली के एलेसांद्रो रोमानो अपने-अपने मौके को गोल में नहीं बदल सके। इटली के कोच रॉबर्टो मैनचिनी ने कहा, ह्रभले ही हमने काफी बदलाव किए थे, लेकिन हर तरफ थकान थी और हमें थोड़ी परेशानी हुई। लेकिन हमने गोल करने में अच्छा काम किया और उनके बराबरी करने के तुरंत बाद फिर गोल करना भी हमारे लिए अच्छा रहा।ह्र

इस जीत के बाद फ्रांस 10 अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। इटली के सात अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है, जबकि बेल्जियम छह अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। तुर्किये चारों मैच हारकर सबसे नीचे है।

ब्रिस्बेन-2032 ओलंपिक और पैरालंपिक का प्रतीक चिन्ह होगा ऑस्ट्रेलियाई तोता कॉकटू

ब्रिस्बेन : ब्रिस्बेन-2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के लिए ऑस्ट्रेलियाई पक्षी कॉकटू को आधिकारिक प्रतीक चिन्ह के रूप में चुना गया है। कॉकटू ने कंगारू, कोआला और ह्रबिन चिकनह्र जैसे विकल्पों को पछाड़कर यह स्थान हासिल किया है। हालांकि, आधिकारिक लॉन्च से पहले प्रतीक चिन्ह के सोशल मीडिया पर गलती से लीक होने के कारण आयोजकों को थोड़ी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। आयोजकों ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया। ओलंपिक प्रतीक चिन्ह में गुलाबी कॉकटू का क्रेस्ट दिखाया गया है। इसके रंग को ओलंपिक और पैरालंपिक लो जैसा रूप दिया गया है, जबकि इसका आकार मेजबान राज्य क्वींसलैंड से प्रेरित है। कॉकटू ऑस्ट्रेलिया और आसपास के क्षेत्रों में पाया जाने वाला एक खास प्रकार का बड़ा तोता है। यह अपनी आकर्षक कलगी, चमकीले रंग और मिलनसार स्वभाव के लिए जाना जाता है। कॉकटू को ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख पक्षी प्रजातियों में शामिल किया जाता है। ब्रिस्बेन के लॉर्ड मेयर एंड्रियन श्रिनर ने आधिकारिक बयान में कहा कि ये प्रतीक चिन्ह हमारे शहर और हमारी जीवनशैली का उत्सव हैं। उन्होंने कहा, ह्रव्हे उस ब्रिस्बेन को दर्शाते हैं, जिसे लोग जानते हैं और पसंद करते हैं—जीवंत, मजबूत, जुड़ा हुआ, मित्रवत, चंचल और थोड़ा शरारती। वे हमारे शहर में बढ़ रहे उत्साह का भी प्रतीक हैं। खेलों के शुरू होने में छह साल से थोड़ा कम समय बचा है और हम दुनिया को ऑस्ट्रेलिया की जीवनशैली की राजधानी में स्वागत करने की तैयारी पहले ही शुरू कर चुके हैं।

जेडी मजीठिया को लेकर नीना ने सुनाया किस्सा

‘वह मेरे लिए गॉडफादर जैसे हैं’



एक्ट्रेस नीना गुप्ता इन दिनों हाल ही में रिलीज हुए स्ट्रीमिंग शो ‘चुंबक’ में अपने काम को मिल रहे पॉजिटिव रिव्यूंस को लेकर चर्चा में हैं। शो में उनके काम को दर्शकों की ओर से पसंद किया जा रहा है। अब नीना गुप्ता ने शो के प्रोड्यूसर जेडी मजीठिया की जमकर तारीफ की है और उनके साथ जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी शेयर किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि जेडी का व्यवहार उन्हें इतना अच्छा लगा कि उन्हें वह किसी गॉडफादर की तरह लगे। बातचीत के दौरान नीना ने जेडी मजीठिया के साथ अपने अनुभव को याद करते हुए कहा, ‘‘मैं एक बार शूटिंग के बाद किसी अवॉर्ड फंक्शन में गई थी। संयोग से जेडी भी मेरे पास बैठे हुए थे। जब अवॉर्ड प्रेजेंट करने के लिए स्टेज से मेरा नाम पुकारा गया, तो जेडी ने मेरी काफी मदद की। वह तुरंत मेरे साथ खड़े हो गए और मेरे पर्स लेकर स्टेज तक जाने में मेरी मदद की।’’ नीना ने कहा, ‘‘उस वक़्त जेडी मुझे किसी गॉडफादर की तरह लगे। उन्होंने मेरा पर्स अपने हाथ में लिया और मुझे स्टेज तक लेकर गए। मुझे थोड़ा अजीब भी लगा कि इतना बड़ा और जाना-पहचाना शख्स मेरा पर्स क्यों उठा रहा है, लेकिन जेडी ने इसको लेकर कोई झिझक नहीं दिखाई। जब मैं अवॉर्ड लेकर वापस आई, तो जेडी ने दोबारा मेरा पर्स अपने हाथ में ले लिया।’’ उन्होंने कहा, ‘‘मैंने जेडी के साथ सिर्फ इसी प्रोजेक्ट पर काम किया है, इसलिए यह व्यवहार दोस्ती की वजह से नहीं था। यह उनकी पर्सनैलिटी है। वह अपने साथ काम करने वाले लोगों को परिवार की तरह ट्रीट करते हैं। उनके साथ एक तरह की फैमिली फीलिंग आती है। वह उन लोगों में से हैं, जिनके पास कोई परेशानी होने पर आप जाकर बात कर सकते हैं।’’ ‘चुंबक’ की बात करें तो यह एक मल्टी-जेनरेशनल कॉमेडी शो है, जिसकी कहानी आज के शहरी भारतीय मोहल्ले के आसपास घूमती है। शो में एक ऐसा पड़ोस दिखाया गया है, जहां छोटी से छोटी खुशी भी सेलिब्रेशन बन जाती है, लेकिन कोई भी परेशानी ज्यादा देर तक प्राइवेट नहीं रह पाती। रोजमर्रा की ज़िंदगी के छोटे-बड़े किस्सों के बीच खूब हंसी-मजाक और ड्रामा देखने को मिलता है।

पं. रमेश शर्मा तृतीय अ.भा. चैश टूनामेंट का आयोजन 10 अक्टूबर से



एजेंसी

झांसी : उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री रहे कीर्तिशे

तृतीय अखिल भारतीय चैश चैम्पियनशिप का दो दिवसीय आयोजन आगामी 10 व 11 अक्टूबर 2026 को किया जायेगा। इस आशय की जानकारी आर एन एस वर्ल्ड स्कूल में आयोजित पत्रकार वार्ता में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दी।पत्रकारों से चर्चा करते हुए आर एन एस वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्य सविता मेनन ने बताया कि आगामी दस अक्टूबर को टूनामेंट का उद्घाटन वरिष्ठ समाज सेविका एवं आरएनएस वर्ल्ड स्कूल की चेयरपर्सन अनुराधा शर्मा करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में आई जी आकाश कुलहरि सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। चैश के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रहे टूनामेंट के डायरेक्टर डा.आर के गुप्ता ने बताया कि कीर्तिशे पं रमेश शर्मा ने बुदिलखंड के

विकास के साथ साथ शिक्षा एवं आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान किया है ,वे चैश के अच्छे खिलाड़ी थे इसलिए उनकी स्मृति में यह चैश का अखिल भारतीय स्तर का तीसरा आयोजन है। आने वाले समय में इसका आयोजन और बड़े स्तर पर किया जायेगा।सीए गौरव गुप्ता ने बताया कि आयोजन में सहभागिता हेतु 8 अक्टूबर इंद्री की अंतिम तिथि है। अब तक उत्तर प्रदेश एवं पड़ोसी राज्य म.प्र.से लगभग दो सौ इंद्री आ चुकी हैं तथा अंतिम तिथि तक लगभग चार सौ इंद्री आने की संभावना है।पत्रकार वार्ता के दौरान अक्षिता सोढ़ी, शोएब खान, मनोज चार्ल्स एवं टूनामेंट कोर्डिनेटर सुमित द्विवेदी एवं विद्यालय प्रबंध समिति की सदस्य काव्या गौड मौजूद रहे।

‘म्यूजिक वीडियोज ने एक्सपेरिमेंट करने की आजादी दी’, ‘बुखार’ और ‘जालिमा’ गाने को मिल रहे

प्यार पर बोलीं अविका

अविका हाल में दो अलग-अलग गानों ‘बुखार’ और ‘जालिमा’ में नजर आई हैं। दोनों गानों में उनका अंदाज एक-दूसरे से काफी अलग है। इस पर अविका का कहना है कि म्यूजिक वीडियोज उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार, लुक और इमोशंस एक्सप्लोर करने की आजादी देते हैं। ‘बुखार’ एक पंजाबी गाना है, जिसे विक्की संधू ने गाया और लिखा है। इसका म्यूजिक मिक्स सिंह ने दिया है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो में अविका का स्टाइलिश और मॉडर्न अवतार देखने को मिला। दूसरे गाने ‘जालिमा’ में वह पंजाबी सिंगर, कंपोजर और लिंरिसिस्ट कुलविंदर बिल्ला के साथ नजर आईं। पंजाब में शूट किए गए इस गाने में दोनों की जोड़ी देखने को मिली। ‘जालिमा’ गाना 22 सितंबर को रिलीज हुआ। अविका ने बात करते हुए कहा, ‘‘जब आप जिस चीज पर काम करते हैं, वह लोगों से जुड़ने लगती है तो बहुत अच्छा महसूस होता है। ‘बुखार’ और ‘जालिमा’ एक-दूसरे से काफी अलग हैं और यही चीज इस फेज को मेरे लिए और एक्सआईटिंग बनाती है। दोनों गानों में मुझे अलग-अलग लुक, एनर्जी और इमोशंस एक्सप्लोर करने का मौका मिला। जिस तरह से लोगों का प्यार मिल रहा है, उससे मैं बहुत खुश हूं। अविका ने कहा, ‘‘म्यूजिक वीडियोज ने मुझे हमेशा एक्सपेरिमेंट करने की आजादी दी है और मैं इस आजादी को काफी एंजॉय कर रही हूं। ‘बुखार’ में एक अलग तरह की एनर्जी थी, जबकि ‘जालिमा’ ने मुझे बिल्कुल अलग स्पेस में जाने का मौका दिया। दोनों गानों के जरिए मुझे अपने बिल्कुल अलग-अलग पहलुओं को एक्सप्लोर करने का मौका मिला।

अक्षय खन्ना ने छोड़ी ‘दृश्यम 3’



अजय देवगन की पॉपुलर क्राइम-थ्रिलर फ्रेंचाइजी ‘दृश्यम’ की तीसरी और आखिरी फिल्म ‘दृश्यम: द कन्क्लूजन’ रिलीज से पहले ही काफी चर्चा में है। फिल्म में इस बार कई पुराने कलाकारों की वापसी के साथ जयदीप अहलावत की एंट्री हुई है। हालांकि, जयदीप की कास्टिंग के पीछे की कहानी बेहद दिलचस्प है। निर्देशक अभिषेक पाठक ने खुलासा किया है कि शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले अक्षय खन्ना के प्रोजेक्ट से बाहर होने के बाद टीम को बहुत कम समय में कहानी और किरदार दोनों पर दोबारा काम करना पड़ा।

शूटिंग से सिर्फ सात दिन पहले हुआ बड़ा बदलाव

अक्षय खन्ना ने ‘दृश्यम 2’ में आईजी तरुण अहलावत का किरदार निभाया था। तीसरे पार्ट में भी उनके लौटने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन शूटिंग शुरू होने से करीब सात दिन पहले उनके फिल्म से अलग होने के बाद मेकर्स के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया। अभिषेक पाठक के मुताबिक, उस समय फिल्म का सेट तैयार था, कलाकारों की डेट्स लॉक थीं और बड़ी संख्या में कू शूटिंग के लिए तैयार था। ऐसे में शूट को आगे बढ़ाना आसान विकल्प नहीं था। पाठक ने बताया कि एक निर्देशक के तौर पर उनके लिए यह बेहद दबाव वाला समय था। फिल्म को रोकने या शूटिंग टालने का मतलब कई कलाकारों और तकनीशियनों की तारीखों को दोबारा व्यवस्थित करना होता। इसलिए टीम ने तय किया कि प्रोडक्शन को रोकना नहीं जाएगा और इसी बीच कहानी में जरूरी बदलाव किए जाएंगे।



ऋचा लेकर आई नया ट्रैवल शो ‘मुसाफिरी’

दिखेगा मुंबई का अनदेखा इतिहास

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा की नॉन-फिक्शन ट्रैवल सीरीज ‘मुसाफिरी’ का पहला एपिसोड शुक्रवार से रिलीज हो रहा है। इस सीरीज में मुंबई शहर के इतिहास, वहां के समुदायों, छिपी हुई कहानियों और कम चर्चित जगहों को दिखाया जाएगा। पहले एपिसोड में मुंबई के इतिहास, कल्चर और कुछ सबसे हैरान करने वाले राज दिखाए गए हैं। इस एपिसोड में किम कार्दशियन और साउथ मुंबई के सबसे मशहूर इलाकों में से एक काला घोड़ा के बीच एक अनोखा कनेक्शन भी बताया गया है। ऋचा ने मुंबई को भी एक्सप्लोर किया है और शहर के देवी-देवताओं से जुड़े दिलचस्प किस्से बताए हैं, जिनमें मां महालक्ष्मी भी शामिल हैं, जिन्हें मुंबई की माता देवी माना जाता है। अभिनेत्री का मानना है कि मुंबई शहर ऐसी कहानियों से भरा पड़ा है, जिनके बीच लोग बड़े होते हैं लेकिन कभी रुककर उन्हें जानने की कोशिश नहीं करते। अभिनेत्री ने कहा, ‘‘मुंबई में इतनी सारी कहानियां हैं, जिनके बीच हम बड़े हुए हैं, लेकिन लोगों के साथ मैं इन्हें शेयर करना चाहती थी। एपिसोड में दर्शकों को मुंबई के सबसे पुराने ऑर्मेनियाई चर्चों में से एक में भी ले जाया जाता है और गेटवे ऑफ इंडिया के इतिहास और इसे क्यों बनाया गया था, इसके बारे में भी बताया गया है। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने कहा, ‘‘मुझे उम्मीद है कि जो लोग पूरी जिंदगी मुंबई में रहे हैं, वे भी शहर को एक अलग नजर से देखेंगे और उन्हें लगना जैसे वे एक नई मुंबई को खोज रहे हैं। ‘



मप्र के मैहर में एक साथ 3430 छात्र-छात्रों ने कथक की प्रस्तुति देकर रचा इतिहास

– एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ मैहर का नाम

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी मैहर ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित मैहर गौरव दिवस के तहत सोमवार को इतिहास रच दिया। शहर के फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित भव्य कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के 3,430 छात्र-छात्राओं ने एक साथ और एक लय में लगातार 9 मिनट 34 सेकेंड तक सामूहिक कथक नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाया है। सोमवर को फुटबॉल ग्राउंड पर मैहर का गौरव दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मूल्यांकन किया। निर्धारित मानकों के अनुसार प्रस्तुति पूरी होने के बाद मैहर के नाम इस उपलब्धि को दर्ज किया गया। इसके बाद एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से प्रमाण पत्र सौंपा गया। मंच पर मौजूद मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह को रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। रिकॉर्ड प्रस्तुति के समापन के बाद कार्यक्रम स्थल

गोपनीय सूचना लीक करने वालों पर होगी कार्रवाई: गृहमंत्री गुरुंग

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने कहा है कि गोपनीय या संवेदनशील सूचनाएं लीक करने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गुरुंग ने मंगलवार को फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य द्वारा सौंपी गई गोपनीयता का उल्लंघन कर जानबूझकर देश या अपने संगठन के साथ वि्रवासघात करने वाले किसी भी व्यक्ति को छूट नहीं दी जाएगी और ऐसे लोगों को कानून के दायरे में लाया जाएगा। सरकार ने सोमवार देरात को संवेदनशील सूचना लीक करने के आरोप में सशस्त्र पुलिस बल के एआईजी बंशीराज दाहाल को निलंबित कर दिया है। गृह मंत्रालय ने दाहाल पर पद संबंधी आचरण का उल्लंघन



करने और संवेदनशील सूचनाएं लीक करने का आरोप लगाया है। गुरुंग ने लिखा, हूमें लंबे समय से गृह मंत्रालय और उसके अधीनस्थ निकायों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों की उस प्रवृति पर करीबी नजर रख रहा हूं, जिसमें वे अपनी आधिकारिक जिम्मेदारियों को भूलकर गोपनीय या संवेदनशील सूचनाएं अनेधिकृत व्यक्तियों या संस्थाओं को लीक कर देते हैं।

उन्होंने कहा, राज्य की संवेदनशील जानकारी किसी की निजी संपत्ति नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक जिम्मेदारी है।

गंगा का जलस्तर 25 सेंटीमीटर घटा, चेतावनी बिंदु से नीचे आया पानी

एजेंसी

कानपुर : गंगा के जलस्तर में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई। कानपुर बैराज के अपस्ट्रीम में पानी का स्तर सोमवार के मुकाबले 25 सेंटीमीटर घटकर 113.980 मीटर पर पहुंच गया। इससे जलस्तर चेतावनी बिंदु 114 मीटर से दो सेंटीमीटर नीचे आ गया है। डाउनस्ट्रीम में भी 24 सेंटीमीटर की गिरावट दर्ज की गई। शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर 23 सेंटीमीटर कम हुआ है। हालांकि, गंगा के जलस्तर में गिरावट के बावजूद प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। अपस्ट्रीम में सोमवार को गंगा का जलस्तर 114.230 मीटर दर्ज किया गया था, जो मंगलवार को घटकर 113.980 मीटर रह



गया। सोमवार को पानी चेतावनी बिंदु से 23 सेंटीमीटर ऊपर था, जबकि मंगलवार को यह दो सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया। डाउनस्ट्रीम में सोमवार को जलस्तर 113.820 मीटर था, जो मंगलवार को घटकर 113.580 मीटर हो गया। बैराज से पानी का बहाव भी कम हुआ है। सोमवार को, 3,62,559 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था, जबकि

असम और मणिपुर में दो बार डोली धरती, 4.5 तीव्रता का सबसे तेज भूकंप नगांव में आया

एजेंसी

गुवाहाटी : असम और मणिपुर में मंगलवार सुबह दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इनमें सबसे तेज 4.5 तीव्रता का भूकंप असम के नगांव जिले में आया, जिसके झटके असम के कई हिस्सों और गुवाहाटी तक महसूस किए गए। हालांकि, दोनों घटनाओं में किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। सिस्मोलॉजी विभाग के अनुसार, पहला प्रमुख भूकंप आज तड़के 04 बजकर 23 मिनट 47 सेकेंड पर असम के नगांव जिले में आया। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र जमीन से

33 किलोमीटर की गहराई में 26.428 अक्षांश और 93.060 देशांतर पर स्थित था। इसी क्रम में दूसरा भूकंप मणिपुर के तामेंगलांग जिले में तड़के 04 बजकर 27 मिनट 25 सेकेंड पर दर्ज किया गया। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.9 मापी गई। इसका केंद्र भी जमीन से 12 किलोमीटर की गहराई में 25.070 अक्षांश और 93.568 देशांतर पर स्थित था। कम तीव्रता होने के कारण इसका प्रभाव सीमित रहा। भूकंप विशेषज्ञों के अनुसार पूर्वोत्तर भारत भूकंपीय दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। इस कारण यहां समय-समय पर हल्के और मध्यम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं।

देश-विदेश

मेघनाद साहा की जयंती पर सीएम शुभेंदु अधिकारी ने दी श्रद्धांजलि



सामूहिक कथक प्रस्तुति के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की टीम ने कार्यक्रम का मूल्यांकन किया। निर्धारित मानकों के अनुसार प्रस्तुति पूरी होने के बाद मैहर के नाम इस उपलब्धि को दर्ज किया गया। इसके बाद एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से प्रमाण पत्र सौंपा गया। मंच पर मौजूद मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह, विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह को रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। रिकॉर्ड प्रस्तुति के समापन के बाद कार्यक्रम स्थल

पर गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और शहरवासी मौजूद रहे। मैहर गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित इस आयोजन ने धार्मिक नगरी को सांस्कृतिक पहचान को भी प्रदर्शित किया।

मैहर गौरव दिवस के इस आयोजन में विद्यार्थियों की बड़ी भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। हजारों विद्यार्थियों का एक साथ कथक प्रस्तुत करना न केवल सांस्कृतिक आयोजन रहा, बल्कि मैहर की कला, संस्कृति और सामूहिक सहभागिता का भी प्रदर्शन रहा। 3430 विद्यार्थियों

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से अगले एक सप्ताह तक मौसम में बदलाव रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आज से नौ अक्टूबर तक चार दिनों के लिए आंधी, गरज-चमक और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कुछ ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 12 अक्टूबर तक राज्य में मौसम खराब रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार छह अक्टूबर को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में येलो अलर्ट है। इन क्षेत्रों में 40 से

50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ गरज-चमक, आकाशीय बिजली और बारिश होने का संभावना है। आठ अक्टूबर को ऊना, बिलासपुर, सोलन, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। नौ अक्टूबर को मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में भी 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं

चलने के साथ गरज-चमक, आकाशीय बिजली और बारिश होने की संभावना है। आठ अक्टूबर को ऊना, बिलासपुर, सोलन, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। नौ अक्टूबर को मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों के लिए एलर्ट जारी किया गया है। आठ और नौ अक्टूबर को 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की

मेघनाद साहा की जयंती पर सीएम शुभेंदु अधिकारी ने दी श्रद्धांजलि



एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार सुबह समाज माध्यम पर विश्वविख्यात खगोल भौतिक विज्ञानी डॉ. मेघनाद साहा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने डॉ. साहा के वैज्ञानिक योगदान को स्मरण करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। डॉ. मेघनाद साहा का जन्म छह अक्टूबर 1893 को तत्कालीन ढाका के निकट शिओरताली गांव में हुआ था। वे भारत के प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी और खगोल भौतिक विज्ञानी थे। तारों की भौतिक एवं रासायनिक स्थिति को समझने में महत्वपूर्ण माने जाने वाले ढाहासा समीकरणहू के प्रतिपादन के लिए उन्हें विश्वभर में पहचान मिली।

डॉ. साहा ने ढाका कॉलेजिएट स्कूल और ढाका कॉलेज से शिक्षा प्राप्त करने के बाद कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में अध्ययन किया। बाद में वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहे और जीवन के अंतिम वर्षों में

कलकत्ता विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में प्राध्यापक एवं डीन के रूप में कार्य किया। वर्ष 1927 में उन्हें रॉयल सोसायटी का फेलो चुना गया था। देश के वैज्ञानिक विकास में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने साहा नाभिकीय भौतिकी संस्थान तथा इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टिवेशन ऑफ साइंस जैसी महत्वपूर्ण वैज्ञानिक संस्थाओं की स्थापना में भूमिका निभाई। उनकी अध्यक्षता में गठित समिति ने भारत के राष्ट्रीय शक पंचांग के संशोधन का कार्य भी किया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में भी डॉ. साहा सक्रिय रहे थे। बंगाल विभाजन के विरोध में उन्होंने छात्र जीवन में अंग्रेज अधिकारियों के बहिष्कार में भाग लिया था। उनका संपर्क स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े कई प्रमुख नेताओं और संगठनों से भी रहा।

डॉ. मेघनाद साहा का निधन 16 फरवरी 1956 को नई दिल्ली में हुआ था। वैज्ञानिक क्षेत्र में उनके योगदान को आज भी देश और दुनिया में सम्मान के साथ याद किया जाता है।

हिमाचल में एक हफ्ते तक मौसम खराब, चार दिन आंधी-बारिश का येलो अलर्ट

एजेंसी



चलने के साथ गरज-चमक, आकाशीय बिजली और बारिश होने की संभावना है। आठ अक्टूबर को ऊना, बिलासपुर, सोलन, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। नौ अक्टूबर को मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों के लिए एलर्ट जारी किया गया है। आठ और नौ अक्टूबर को 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की

रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ बारिश और गरज-चमक होने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने 10, 11 और 12 अक्टूबर को भी राज्य में मौसम खराब रहने का अनुमान जताया है। इन तीन दिनों के लिए फिलहाल कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। विभाग के अनुसार अगले चार से पांच दिनों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी से तापमान में गिरावट आ सकती है। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में टंड बढ़ने की संभावना है। बारिश का असर कृषि और पर्यटन गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। अक्टूबर में होने वाली बारिश से सब सीजन के अंतिम चरण और निचले इलाकों में मक्की की कटाई प्रभावित होने की आशंका है।

नेपाल : 13 प्रस्तावित राजदूतों की संसदीय सुनवाई प्रक्रिया आज से

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल सरकार द्वारा विभिन्न देशों के लिए राजदूत के रूप में सरकार द्वारा अनुशंसित 13 व्यक्तियों की संसदीय सुनवाई प्रक्रिया मंगलवार से शुरू होगी। संघीय संसद सचिवालय के अनुसार, सुबह 11:15 बजे होने वाली संसदीय सुनवाई समिति की बैठक में प्रस्तावित राजदूतों के खिलाफ दर्ज शिकायतों को समिति के सदस्यों के बीच वितरित किया जाएगा। इसके साथ ही नामित राजदूतों द्वारा प्रस्तुत कार्ययोजनाएं भी सदस्यों को उपलब्ध कराई जाएंगी। 13 प्रस्तावित राजदूतों के खिलाफ कुल सात शिकायतें दर्ज हुई हैं। इन्हें दो शिकायतें सभी 13 नामितों के खिलाफ हैं, जबकि पांच शिकायतें अलग-अलग नामित व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज की गई हैं। सरकार ने

18 सितंबर को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 13 राजदूतों की नियुक्ति की सिफारिश की थी। इसके बाद संसदीय सुनवाई समिति ने उनकी सुनवाई की प्रक्रिया शुरू की। सरकार ने भारत के लिए डॉ. निश्वल नाथ पांडे, चीन के लिए डॉ. कल्याण राज शर्मा, अमेरिका के लिए चिरन जंग थापा और ब्रिटेन के लिए पूर्व सेना प्रमुख गौरव शमशेर जंग बहादुर राणा को राजदूत नियुक्त करने की सिफारिश की है। इसी तरह जापान के लिए जिज्ञान कुमार थापा, इजरायल के लिए सुरेश कुमार कर्ण, स्पेन के लिए प्रांति शेरचन, जर्मनी के लिए शारू जोशी, ओमान के लिए डॉ. पद्माक्षी राणा, मलेशिया के लिए चंडामणि खोल, दक्षिण कोरिया के लिए प्रो. डॉ. संगम श्रेष्ठ, श्रीलंका के लिए डॉ. मन्थला झा और सऊदी अरब के लिए गिरि बहादुर सुनार की सिफारिश की गई है।

शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने महिला से एक करोड ठगे

एजेंसी

नोएडा : उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित सेक्टर 41 में रहने वाले एक 56 वर्षीय महिला को अपने जाल में फंसाकर साइबर अपराधियों ने शेयर मार्केट में निवेश कर मोटी रकम कमाने का झांसा देकर उनसे एक करोड़ रुपए की ठगी कर ली। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम प्रीति यादव ने बताया कि आज सुबह को पमिला वाकलीवल पत्नी अनुराग वाकलीवल निवासी सेक्टर 41 ने थाना साइबर क्राइम में रिपोर्ट दर्ज



कराई है कि अज्ञात साइबर अपराधियों ने उनसे फेसबुक के माध्यम से 25 अगस्त वर्ष 2026 को संपर्क किया, तथा उन्होंने एक फाइनेंस कंपनी के शेयर में इन्वेस्ट कर मोटी रकम कमाने का झांसा दिया। उन्होंने बताया कि उन्हें आरोपियों की

बातों पर विश्वास हो गया, तथा उन्होंने धीरे-धीरे रकम लगानी शुरू कर दी। उनके अनुसार 2026 के बीच उन्होंने उनके बताए गए विभिन्न खातों में एक करोड़ रुपया ट्रांसफर कर दिया। उनको पोर्टल पर अपनी

रकम बढी हुई दिखाई दे रही थी। उन्होंने बताया कि महिला के अनुसार जब उन्होंने अपनी रकम निकालने का प्रयास किया तो साइबर ठगों ने उनसे अनुर रकम जमा करने की शर्त रख दी। तब उन्हें साइबर ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने आज साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता की उम्र करीब 56 वर्ष है। डीसीपी ने बताया कि पुलिस उन बैंक खातों का पता लगा रही है जिसमें महिला से रकम ट्रांसफर करवाई गई है। पुलिस को आशंका है कि जिन खातों में रकम ट्रांसफर की गई है, वे म्यूल खाते हैं।

न्यूज IN बीफ

मुजफ्फरनगर सड़क हादसे में चार लोगों की मौत, मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक

लखनऊ/ मुजफ्फरनगर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुजफ्फरनगर में सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में चार लोगों की मौत पर शोक संवेदना प्रकट की है। उन्होंने अफसरी को मौके पर पहुंचकर घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश जारी किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के मुताबिक, पुरकाजी थाना क्षेत्र में लक्सर स्टेट हाइवे पर सोमवार देररात को डंपर और कार की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन में सवार लोग बुरी तरह फंस गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को बमुरिंकल बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चार लोगों की मौत हो गई है। मरने वाले की पहचान हरी नगर मोहल्ला निवासी लोहा कारीबारी आदेश गोयल (45) उनकी बहन निशा (35) राखी और निशा की बेटी श्रद्धा (14) के रूप में हुई है। वहीं, आदेश की मां कुसुम देवी, पत्नी रूबी और राखी की बेटी वैष्णवी घायल हैं। कार में कुल सात लोग सवार थे, जो आदेश के मोसा राधेश्याम का 75वां जन्मदिन मनाकर रात को कार से वापस लौट रहे थे। पुरकाजी-लक्सर स्टेट हाइवे पर बढीवाला में सोलानी नदी पुल के पास डंपर और कार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हाइड्रॉ की मदद से स्कॉर्पियो में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा, एसपी सिटी अमृत जैन, एसपी ट्रैफिक अतुल कुमार चौबे, क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार समेत पुलिस रात मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और राहत एवं बचाव अभियान की जानकारी ली। उन्होंने घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। डंपर और उसके चालक को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बंगाल विधानसभा उपचुनाव : नंदीग्राम और रेजीनगर में मतदान के दौरान भारी तनाव, विधायक हुमायूं कबीर और कांग्रेस नेता गिरफ्तार

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की दो बेहद संवेदनशील विधानसभा सीटों पूर्व मेदिनीपुर की नंदीग्राम और मुर्शिदाबाद की रेजीनगर के उपचुनाव के तहत मंगलवार सुबह सात बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान जारी है। मतदान शुरू होते ही दोनों क्षेत्रों से खीरे राजनीतिक टक्कर, झड़प, नेताओं की गिरफ्तारी और पुलिस-प्रशासन पर गंभीर आरोप सामने आने लगे हैं। रेजीनगर में पुलिस कार्य में बाधा डालने और आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में आम जनता उन्मथन पाटी (एजेयुड) के प्रमुख व नाओदा के विधायक हुमायूं कबीर को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि नंदीग्राम में शांति भंग करने के आरोप में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को हिरासत में लिया गया है। रेजीनगर में मतदान के शुरूआती घंटों से ही भारी तनाव देखा गया। आम जनता उन्मथन पाटी के प्रमुख हुमायूं कबीर सुबह-सुबह मतदान करने पहुंचे और उन्होंने भाजपा पर बूथ स्तर पर बाधा डालने और वोट लूटने का सीधा आरोप लगाया। मतदान केंद्र के बाहर पुलिसकर्मियों के साथ उनकी तीखी बहस और धक्का-मुक्की हुई। उन पर पुलिसकर्मियों को धमकाने का भी आरोप लगा। बेलडांगा के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) आनंदजीत होर ने बताया कि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने और पुलिस के सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में रेजीनगर थाने की पुलिस ने हुमायूं कबीर को आपत्तारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा रेजीनगर में वाममोर्चा और कांग्रेस ने पुलिस पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया है। आरोप है कि दायपूर अवल के मोरादीधी स्थित बूथ संख्या 112, 113, 114 व 122 और काशीपुर ग्राम पंचायत के बूथ 99 व 100 पर पुलिस ने कांग्रेस और वाममोर्चा के पोलिंग एजेंटों को बेंटने से रोका। मिर्जापुर खागड़पाड़ा प्राथमिक विद्यालय (बूथ 85 और 86) पर मीडियाकर्मियों को चुनाव आयोग का अधिकृत पास दिखाने के बावजूद कवरज से रोके जाने की भी शिकायत दर्ज कराई गई है। नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र में भी फिटरटु हिंसा और तनाव की घटनाएं सामने आई हैं। सरबेडिया के बूथ संख्या 212 पर भाकपा (सीपीआई) उम्मीदवार के चुनाव एजेंट शेख सद्दाम हुसैन पर जानलेवा हमला किया गया। सद्दाम हुसैन पूर्व विधायक मोहम्मद इलियास के पुत्र हैं। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें नंदीग्राम सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी ओर, क्षेत्र में अशांति फैलाने और माहौल बिगाड़ने के आरोप में पुलिस ने नंदीग्राम-1 कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शेख असाफुलतुल्ला को हिरासत में लेकर नंदीग्राम थाने ले जाया गया। इससे पहले सुबह कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान ने सोनाहूड़ा गांगड़ा प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या 280 पर अपनी पत्नी अर्पिता प्रधान के साथ मतदान किया और मतदाताओं से निडर होकर अपने नेताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। केंद्रमार्गी अवल के हुसैनपुर बूथ संख्या 118 सहित कई अल्पसंख्यक बहुल बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गईं, जहां दुकानों के बाहर अवैध जमावड़े की केंद्रीय बलों ने लाठी फटकार कर हटाया। कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान जारी: शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंध किए हैं। नंदीग्राम में 37 कंपनी और रेजीनगर में 34 कंपनी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। मतदान शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही आयोग ने नंदीग्राम थाने के प्रभारी अजय कुमार मिश्रा को पद से हटाकर नए अधिकारी को कमान सौंपी थी। आंकड़ों के अनुसार, नंदीग्राम में कुल मतदाताओं की संख्या 2,66,419 है, जिसमें 1,38,955 पुरुष, 1,27,463 महिलाएं और एक तृतीय लिंग का मतदाता शामिल है। वहीं रेजीनगर में कुल मतदाताओं की संख्या 2,56,564 है, जिसमें 1,33,925 पुरुष, 1,22,616 महिलाएं और पांच तृतीय लिंग के मतदाता पंजीकृत हैं।

लखनऊ अमौसी एयरपोर्ट के लेबर कैंप में लगी आग

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में चौधरी वरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर मंगलवार सुबह लेबर कैंप में आग लग गई। आग की सूचना पर दमकल की लगभग छह गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। फायर स्टेशन प्रभारी सुमित सिंह के मुताबिक, जिस बिल्डिंग में आग लगी है, वह टर्मिनल से कुछ दूरी पर है। धुआं देखकर मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को बुझाने का कार्य शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट परिसर की इस बिल्डिंग में करीब 33 छोटे कमरे हैं और उसमें मखदूर रहते हैं, हालांकि वे सभी परिसर में एक होटल निर्माण का कार्य कर रहे हैं। उनके लिए अस्थायी तौर पर पीसीसी से बनाया गया था। सीतापुर निवासी रामपाल ने बताया कि खति इयूटी पर थे। इसी दौरान नीचे वाले फ्लोर पर आग लग गई। देखते ही देखते कमरे में आग लग गई। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। हिरात का एक मजदूर आग बुझाने के दौरान मामूली रूप से झुलस गया है। बितापड़ निवासी राहुल कुमार दूसरी मंजिल से कूदने से चोटिल हो गया है, दोनों का इलाज कृष्णनगर के एक अस्पताल में चल रहा है।

चिट्ठा तस्करी के दो मामलों में तीन आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज

शिमला : शिमला में चिट्ठा तस्करी से जुड़े दो मामलों में गिरफ्तार तीन आरोपियों की जमानत याचिकाएं अदालत ने खारिज कर दी हैं। विशेष न्यायाधीश सीबीआई कोर्ट शिमला ने पांच अक्टूबर को दोनों मामलों में आरोपियों की ओर से दायर जमानत याचिकाओं पर सुनवाई की और उन्हें खारिज कर दिया। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने मंगलवार को ये जानकारी दी। पहला मामला पुलिस थाना बालगंज में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 के तहत दर्ज है। इस मामले में मंडी जिला के धर्मपुर निवासी गोपाल सिंह कटवाल के कब्जे से करीब 30 ग्राम हेरोइन बरामदे की गई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान पुलिस ने मामले से जुड़े साक्ष्य और दस्तावेज जुटाए और उन्हें अदालत के समक्ष पेश किया। आरोपी की ओर से जमानत याचिका दायर की गई थी। पुलिस ने इसका विरोध किया। अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। दूसरा मामला पुलिस थाना दली में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत दर्ज है। पुलिस के अनुसार इस मामले में शिमला के दिगोय निवासी दीपक वर्मा के कब्जे से करीब आठ ग्राम चिट्ठा बरामद किया गया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। एसएसपी गौरव सिंह ने बताग के मामले की जांच के दौरान पुलिस ने चिट्ठी की सलाई से जुड़े सात की जानकारी जुटाई। जांच में राजनीश डाडा पुत्र मनमोहन डाडा निवासी मोहाली का नाम सामने आया। पुलिस ने उसे मुख्य सलायार के रूप में चिन्हित कर गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि दीपक वर्मा और राजनीश डाडा की ओर से भी मामले में पैरवी की गई। विशेष न्यायाधीश सीबीआई कोर्ट शिमला ने दोनों आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। एसएसपी गौरव सिंह के अनुसार नशे के अवैध कारोबार से जुड़े मामलों में जांच आरोपी जारी है। पुलिस का कहना है कि चिट्ठा तस्करी के मामलों में सलाई से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाकर उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।



न्यूज़ IN ब्रीफ

युविका सिंह के ब्रह्मभोज में पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, सांसद बैद्यनाथ राम



लातेहार : झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की छोटी पुत्री युविका सिंह के असामयिक निधन से शोकाकुल परिवार से संवेदना व्यक्त करने के लिए सोमवार को ब्रह्मभोज कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम समेत कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर कांग्रेस नेता मुकेश कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे और दिवंगत युविका सिंह के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और इस कठिन घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने की बात कही। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सांसद बैद्यनाथ राम ने भी दिवंगत युविका सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दोनों नेताओं ने परिजनों से मुलाकात कर उनके दुःख में सहभागी बने और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, राजनीतिक दलों के नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और शुभचिंतक मौजूद रहे। सभी ने नम आंखों से युविका सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान माहौल पूरी तरह गमगीन रहा। उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

स्पेशल कैंपेन 6.0 के तहत आरपीवाई बीएड कॉलेज में चला स्वच्छता अभियान



कोडरमा: रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के निर्देश पर स्पेशल कैंपेन 6.0 के तहत व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। आइक्यूएसी प्रभारी सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष कुमार पासवान के नेतृत्व में प्रशिक्षुओं एवं कर्मियों ने श्रमदान कर क्लासरूम, लैब, लाइब्रेरी, कार्यालय और खेल परिसर समेत पूरे महाविद्यालय की साफ-सफाई की। अभियान के दौरान परिसर से कचरा, प्लास्टिक व अन्य गंदगी हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। साथ ही ई. वेस्ट के उचित निस्तारण को लेकर जागरूक करते हुए इसके पर्यावरण एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों ने स्वच्छता बनाए रखने की शपथ भी ली। प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार ने कहा कि स्वच्छता सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे अभियान प्रशिक्षुओं में जिम्मेदारी और सामाजिक सहभागिता की भावना विकसित करते हैं। अभियान में सहायक प्राध्यापक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं सत्र 2026-28 के प्रशिक्षु बड़ी संख्या में शामिल हुए।

जयराम महतो को हुआ स्वागत

मेदिनीनगर : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेता जयराम महतो मंगलवार को पलामू पहुंचे। उनके आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। जिले में कई स्थानों पर उनके भव्य स्वागत की तैयारियों की गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जयराम महतो दोपहर करीब 2 बजे जपला के गम्हरिया मैदान पहुंचेंगे। यहां पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से उनके स्वागत के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जयराम महतो के दौरे को लेकर समर्थकों में उत्साह का माहौल है। उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के जुटने की संभावना है। पलामू में उनके विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर स्थानीय स्तर पर भी तैयारियां तेज हैं।

चक्रधरपुर दुर्गा पूजा केद्रीय कमिटी की बैठक कल

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर नगर पालिका परिसर में दुर्गापूजा की तैयारियों को लेकर चक्रधरपुर दुर्गा पूजा केद्रीय कमिटी की महत्वपूर्ण बैठक 07/10/26 बुधवार को शाम 5 बजे नगर पालिका परिसर में आयोजित की हैं। बैठक में दुर्गापूजा आयोजन की तैयारियों, पूजा पंडाल, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, विभिन्न कार्यक्रमों एवं सदस्यों की जिम्मेदारियों सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। केद्रीय कमिटी की सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों गण एवं सभी पंडालों की दुर्गा पूजा कमेटी के सभी अध्यक्ष एवं सचिव गण की बैठक में उपस्थिति अनिवार्य की गई है। सभी सदस्यों से नम्र निवेदन है कि निर्धारित समय पर नगर पालिका परिसर पहुंचने की कृपा करें, ताकि आगामी दुर्गापूजा आयोजन की तैयारियों को समय पर अंतिम रूप दिया जा सके।

सिल्ली प्रखंड में एसआईआर के लिए लगी भीड़



मुरी : विगत कई सप्ताह से एस आई आर के लिए सिल्ली प्रखंड के कार्यालय में लगाभग हर टेबल पर लोगों का हजूम है। लोग सबसे ज्यादा बीएल ओ को कोसते नजर आ रहे हैं। लोगों की शिकायत है कि एस आई आर फार्म में केवल हस्ताक्षर कर छोड़ देती हैं फार्म भरती नहीं है। कोई कोई बीएल ओ मैडम कहती हैं कि मेरा कोई और काम नहीं है क्या हुसरी तरफ देखें सरकार लोगों के सहूलियत के लिए काम करती है। पर सिल्ली प्रखंड में एस आई आर के लिए परेशान हैं। आखिर इसकी जिम्मेदारी किसकी है।

चक्रधरपुर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 18 व 9 में आरसीसी नाली व कलवर्ट निर्माण का नगर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने किया शिलान्यास

संवाददाता

चक्रधरपुर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 18 और वार्ड संख्या 9 में आरसीसी ड्रेन, कलवर्ट पुलिया एवं आरसीसी नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास मंगलवार को नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव एवं उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने विधिवत नारियल फोड़कर किया. निर्माण कार्य शुरू होने से संबंधित वार्डों के लोगों में खुशी है.

इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि शहर के विभिन्न वार्डों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य कराये जा रहे हैं. नाली एवं ड्रेन निर्माण होने से बारिश के दौरान जलजमाव की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी और स्वच्छता व्यवस्था भी बेहतर होगी. उन्होंने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में



आवश्यकतानुसार अन्य विकास कार्य भी कराये जाएंगे.वहीं नगर परिषद उपाध्यक्ष

विजय कुमार साव ने कहा कि नाली एवं कलवर्ट का निर्माण स्थानीय लोगों की

जरूरत को देखते हुए कराया जा रहा है. निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोगों को

आवागमन के साथ-साथ जल निकासी की सुविधा मिलेगी. उन्होंने संवेदक को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय पर निर्माण कार्य पूरा करने की बात कही. बताया गया कि वार्ड संख्या 18 के बंगलाटांडू में मोहम्मद शाहिद के घर से जाहिर हुसैन के घर तक, आसिफ के घर के समीप आरसीसी ड्रेन एवं कलवर्ट पुलिया का निर्माण किया जाएगा. वहीं वार्ड संख्या 9 के चांदमारी में हाजी सईद के घर से राजेश खटाल होते हुए नारायण स्वामी के घर तक आरसीसी नाली का निर्माण किया जाएगा. मौके पर पार्षद मोहम्मद नूरुद्दीन, पार्षद शेखावत हुसैन, मोहम्मद हुसैन, चुनू रहमान, सरवर आलम, मोहम्मद फिरोज, मोहम्मद गुड्डन, मोहम्मद रमीज, राजा खान, संवेदक सन्नी खान, मोहम्मद नुरी, मोहम्मद जुनैद, हेमंत पोद्दार समेत अन्य मौजूद थे.

खूंटपानी में जनजातीय समुदाय के बीच पारंपरिक वाद्य यंत्रों का वितरण, विधायक दशरथ गागराई ने बांटे वाद्य यंत्र



संवाददाता

चाईबासा : खूंटपानी प्रखंड सभागार में मंगलवार को कल्याण विभाग, झारखंड सरकार की ओर से जनजातीय समुदाय के लोगों के बीच पारंपरिक वाद्य यंत्रों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक दशरथ गागराई उपस्थित रहे। विधायक ने लाभुकों के बीच पारंपरिक वाद्य यंत्रों का वितरण किया और जनजातीय समाज की

समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित एवं आगे बढ़ाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान जनजातीय समुदाय के लोगों में काफी उत्साह देखा गया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों का वितरण का उद्देश्य ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में सदियों से चली आ रही लोक संस्कृति, परंपराओं, लोकगीत-संगीत और पारंपरिक कला को संरक्षण प्रदान करना तथा नई पीढ़ी को अपनी

सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है। इस अवसर पर विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि जनजातीय समाज की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, परंपरा, लोककला और पारंपरिक जीवनशैली से जुड़ी हुई है। पारंपरिक वाद्य यंत्र केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि वे आदिवासी समाज की संस्कृति और सामुदायिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन वाद्य यंत्रों के संरक्षण और प्रोत्साहन से

स्थानीय कलाकारों एवं ग्रामीण युवाओं को भी अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार जनजातीय समुदाय के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास के लिए लगातार योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के जनकल्याण एवं सर्वांगीण विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता निरंतर जारी रहेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए भी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम में प्रखंड एवं कल्याण विभाग के पदाधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, लाभुक तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। लाभुकों ने पारंपरिक वाद्य यंत्र उपलब्ध कराने के लिए सरकार एवं विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया।

पशुपालन योजनाओं की समीक्षा बैठक

अंतिम पंक्ति के पशुपालकों तक लाभ पहुंचाने का निर्देश

संवाददाता

कोडरमा : जिला पशुपालन विभाग की ओर से सभी पशु चिकित्सा पदाधिकारियों, कर्मचारियों, मोबाइल वेटेनरी यूनिट के चिकित्सकों एवं पैरावेट के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. बनिता कुमारी ने की। बैठक में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम, निःशुल्क एफएमडी



टीकाकरण, टीकाकरण, भारत पशुधन ऐप पर पशुओं का निबंधन व ईयर टैगिंग समेत मोबाइल वेटेनरी यूनिट की

चिकित्सा सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। डॉ. बनिता कुमारी ने अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि

विभागीय योजनाओं का लाभ जिले के अंतिम पंक्ति के पशुपालकों तक हर हाल में पहुंचाया जाए। उन्होंने निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने और ग्रामीण पशुपालकों को योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक करने पर जोर दिया। बैठक में सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने विभागीय कार्यों को पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करने का संकल्प लिया।

प्राकृतिक-पर्वतीय क्षेत्रों में ईको टूरिज्म को पीपीपी मॉडल से मिलेगी रफ्तार, सोलराइजेशन पर भी जोर

संवाददाता

पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य के प्राकृतिक एवं पर्वतीय क्षेत्रों में ईको टूरिज्म की परियोजनाओं को पीपीपी (जन-निजी भागीदारी) मोड पर तेजी से विकसित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास के साथ पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

लोक सेवक आवास स्थित ह्रासंकलपह सभागार में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य के जलाशयों, डैम एवं पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटकीय सुविधाओं के विकास की समीक्षा की। विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आनंद किशोर ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय कार्यों और ईको टूरिज्म की संभावनाओं की जानकारी दी।

बैठक में बांका के ओढ़नी डैम, मुगिर के खड़गपुर डैम, नवादा के ताराकोल डैम और मुगिर के जालकुंड डैम के आसपास ईको टूरिज्म एवं पर्यटकीय सुविधाओं के विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। खड़गपुर डैम के समीप ईको टूरिज्म के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ह्मालास रूमह निर्माण की संभावनाओं पर भी विचार



किया गया।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जिन स्थानों पर ईको टूरिज्म परियोजनाओं के लिए पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां आवश्यक के अनुसार भूमि क्रय अथवा अधिग्रहण कर पीपीपी मॉडल पर योजनाओं का विकास किया जाए। उन्होंने ताराकोल डैम एवं जालकुंड डैम के आसपास आवश्यक भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा खगड़िया के कसरैया धार की ईको टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित करने

का भी निर्देश दिया। प्राकृतिक सामग्री से विकसित होंगी पर्यटन सुविधाएं मुख्यमंत्री ने पहाड़ी एवं पर्वतीय क्षेत्रों में ईको टूरिज्म के विकास पर विशेष जोर देते हुए कहा कि ऐसे क्षेत्रों में निर्माण एवं पर्यटक सुविधाओं के लिए पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ सामग्रियों का उपयोग किया जाए। बांस, लकड़ी जैसी प्राकृतिक सामग्रियों के इस्तेमाल को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने कहा कि जिन पर्यटन स्थलों पर पर्यटकीय दृष्टि से रोप-वे की आवश्यकता है, वहां रोप-वे निर्माण की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि दुर्गम एवं पर्वतीय क्षेत्रों को पर्यटकों के लिए सुगम बनाया जा सके। पर्वतीय क्षेत्रों में होगा सोलराइजेशन मुख्यमंत्री ने राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में सोलराइजेशन कार्य को बढ़ावा देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग से हरित ऊर्जा को बढ़ावा

मिलेगा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा। जलाशयों के आसपास व्यापक पौधारोपण मुख्यमंत्री ने राज्य के बड़े तालाबों एवं जलाशयों के चारों ओर बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्धारित पौधारोपण लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने और राज्य के हरित आवरण क्षेत्र में वृद्धि पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उन्होंने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को संबंधित विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर सभी परियोजनाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण का संरक्षण करते हुए पर्यटन की संभावनाओं को विकसित किया जाए, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिले तथा पर्यटकों को प्राकृतिक वातावरण में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

बैठक में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. रामचन्द्र प्रसाद, मुख्य सचिव श्री प्रत्यक्ष अग्रत, विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आनंद किशोर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री अरविंद सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।



संवाददाता

चंदवा : दुर्गापूजा की शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर सोमवार को चंदवा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में प्रशासन ने पूजा समितियों को सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और अग्निशमन व्यवस्था को लेकर कई अहम निर्देश दिए। सीओ सुमित कुमार झा, इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी मनोरंजन प्रसाद सिंह और बीडीओ चंदन प्रसाद ने पूजा समितियों के सदस्यों से कहा कि पंडालों में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। सभी पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और अग्निशमन यंत्र की पर्याप्त व्यवस्था रखने का निर्देश दिया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महिला और पुरुषों के लिए अलग-अलग कारा की व्यवस्था करने को कहा गया। वहीं पंडाल निर्माण में ज्वलनशील कपड़ों के

इस्तेमाल से बचने तथा पंडाल के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। प्रशासन ने पूजा स्थलों के आसपास शावक की बिक्री और सेवन पर प्रभावी रोक सुनिश्चित करने की बात कही। भोड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में वॉलेंटियर्स की तैनाती करने का निर्देश भी पूजा समितियों को दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन किया जाए। प्रशासन ने पूजा समितियों और आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाएं, ताकि दुर्गापूजा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके। बैठक में विभिन्न पूजा समितियों के सदस्य, जनप्रतिनिधि और समाज के प्रबुद्धजन मौजूद थे।